भोपाल से प्रकाशित और छत्तीसगढ़ उत्तर प्रदेश व राजस्थान से प्रसारित
RNI No. MPHIN/2016/67534

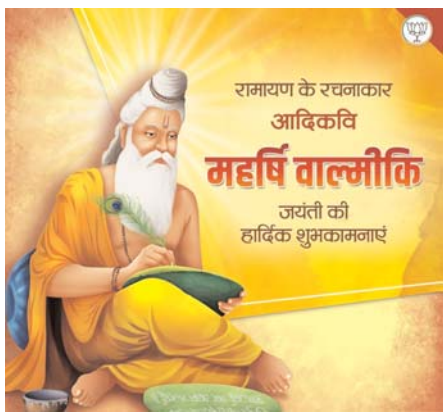

दैनिक

रुद्रांश दर्पण

संपादक : अंतरिक्ष पवार

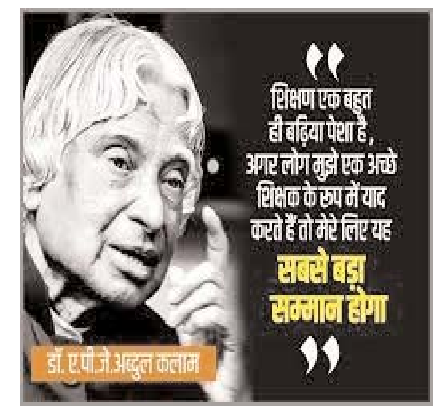

वर्ष-7, अंक-149 | गुरुवार,16, नवंबर, 2023 | पृष्ठ-8 मूल्य-2 रु.

योगी का हमलाः कांग्रेस सत्ता में होती तो कोरोना वैक्सीन की होती ब्लैक मार्केटिंग, त्योहारों में लगते कर्फ्यू

मध्य प्रदेश चुनाव प्रचार के आखिरी दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि कोरोना के समय कांग्रेस होती, तो वैक्सीन नहीं बन पाती। वैज्ञानिक बना भी देते, तो कांग्रेसी सिलेंडर की तरह वैक्सीन की भी ब्लैक मार्केटिंग कर देते।

उन्होंने कहा कि बजरंग बली की गदा अपराध, माफिया व कर्फ्यू का समाधान है। पवई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार प्रहलाद लोधी के पक्ष में आयोजित जनसभा में योगी ने कहा कि कांग्रेस के समय उद्योग नहीं लगते थे। डबल इंजन की सरकार काम कर रही है तो यहां जेके सीमेंट जैसे उद्योग भी लगेंगे। अब यहां हीरे की खान भी मिली है। इससे लाखों रोजगार के अवसर सृजित होंगे। कांग्रेस नेता कहते थे कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। वे यह नहीं कहते थे कि इस पर पहला अधिकार गरीबों, किसानों, नौजवानों, मां-बहनों का है।

तत्पश्चात उन्होंने अशोक नगर से प्रत्याशी जजपाल सिंह जज्जी, मुंगावली से बृजेंद्र सिंह यादव, चंदेरी से जगन्नाथ सिंह रघुवंशी के लिए वोट मांगा। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम अयोध्या में आ रहे हैं। अशोक नगर में बजरंग बली को विराजमान कराना है। 112 फुट ऊंची बजरंग बली की प्रतिमा यहां आएगी तो यहां भूत-प्रेत की बाधा, कर्फ्यू व उपद्रव नहीं होगा। वहीं बैरसिया से भाजपा प्रत्याशी विष्णु खत्री के समर्थन में वोट मांगने के दौरान कहा कि कांग्रेस ने 60 वर्षों तक शासन किया, लेकिन गरीबों को शौचालय, आवास, स्वास्थ्य बीमा, बिजली की सुविधा नहीं मिली।

कांग्रेस के समय त्योहारों पर कर्फ्यू लग जाता था। उन्होंने बिरसा मुंडा को भी याद करते हुए कहा कि आज सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी जन्मभूमि पर जाकर नमन किया है। जनजातीय समुदाय सदैव प्रकृति व पर्यावरण का उपासक रहा है। दिल्ली में प्रदूषण के कारण दमघोंटू माहौल व पर्यावरण जहरीला हो गया है। सुप्रीम कोर्ट व एनजीटी को कई उद्योगों को बैन करना पड़ा।

समस्या का नाम है कांग्रेस

योगी ने छिंदवाड़ा से भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू के लिए मतदान की अपील करते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों वाली इस विधानसभा को कांग्रेस ने आजादी के बाद से ही विकास व बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा। कांग्रेस ने भारत को आतंकवाद, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार, अलगाववाद, बेरोजगारी, भुखमरी का घाव दिया। कांग्रेस समस्या का नाम है। यहां के नेताओं ने खुद का विकास तो कर लिया, लेकिन छिंदवाड़ा के विकास के बारे में नहीं सोचा। कांग्रेस सनातन धर्म और भारत के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव की तैयारियों का लिया जायजा

झालावाड़- विधानसभा चुनाव 2023 के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला कलक्टर) आलोक रंजन ने बुधवार को राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में चल रही तैयारियों एवं निर्वाचन संबंधी कार्यों का जायजा लिया।

इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना कक्षों में बैठक व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने चारों विधानसभा क्षेत्रों के लिए ईवीएम व वीवीपेट मशीनों की कमिशनिंग के कार्य के लिए की जा रही तैयारियों का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए नियुक्त बेल ईवीएम इंजीनियर से ईवीएम व वीवीपेट मशीनों के कमिशनिंग के कार्य के बारे में चर्चा की। इस दौरान उन्होंने उपस्थित चारों विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक मॉडल मतदान केन्द्र बनाया जाए जहां आकर्षक सजावट सहित संबंधित क्षेत्र के प्रसिद्ध स्थानों के फ्लेक्स आदि भी लगाए जाएं।

मतदान दलों के प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में चल रहे पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान

अधिकारियों के प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे मतदान कार्मिकों से कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की व्यवस्था में चुनाव कार्य सबसे महत्वपूर्ण है। इस कार्य में योगदान देने का अवसर मिलना हम सभी के लिए बहुत गर्व की बात है। इस अवसर को जिम्मेदारी से निभाएं और लोकतंत्र के सबसे बडे. पर्व को मनाने में कोई कमी न रखें।

पोस्टल बैलेट मतदान काउन्टर का किया निरीक्षण

जिला निर्वाचन अधिकारी ने पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में मतदान कर्मियों के लिए बनाए गए पोस्टल बैलेट मतदान काउन्टर का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पोस्टल बैलेट मतदान की सम्पूर्ण प्रक्रिया को देखा तथा कार्मिकों को सतर्कता से कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान प्रशिक्षु आईएएस शुभम भैसारे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी (अतिरिक्त जिला कलक्टर) नरेश कुमार मालव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा, रिटर्निंग अधिकारी खानपुर श्याम सुंदर चेतीवाल, रिटर्निंग अधिकारी डग राहुल मल्होत्रा, सहायक रिटर्निंग अधिकारी मनोहरथाना पिंकी गुर्जर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रॉकेट का अनियंत्रित हिस्सा धरती के वातावरण में लौटा, उत्तरी प्रशांत महासागर में गिरने के आसार

चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक निर्धारित कक्षा में ले जाने वाले लॉन्च व्हीकल एलवीएम3एम4 के ऊपरी क्रायोजनिक हिस्से ने बुधवार को धरती के वातावरण में अनियंत्रित वापसी की है। इसका संभावित प्रभावी बिंदु उत्तरी प्रशांत महासागर आंका गया है। यह भारत के ऊपर से नहीं गुजरने वाला है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के बयान के अनुसार, रॉकेट के इस हिस्से ने दोपहर करीब 2:42 बजे धरती के वातावरण में प्रवेश किया। रॉकेट की यह वापसी चंद्रयान के लॉन्च के 124 दिनों

के बाद हुई है। इसरो ने कहा कि उसने दुर्घटनावश होने वाले किसी भी संभावित विस्फोट के जोखिम को कम करने के लिए सभी अवशिष्ट प्रणोदक और ऊर्जा स्रोतों को हटाने की प्रक्रिया के तहत यान के इस ऊपरी चरण को निष्क्रिय कर दिया था। ऐसा अंतरिक्ष मलबा निस्तारण के लिए तय संयुक्त राष्ट्र और आईएडीसी के दिशा-निदेशों के अनुरूप है।

इसरो ने कहा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत दिशा-निदेशों का पालन करते हुए रॉकेट बॉडी को निष्क्रिय करना और मिशन के बाद उसका निपटान फिर बाहरी अंतरिक्ष गतिविधियों की दीर्घकालिक स्थिरता को संरक्षित करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। एलवीएम3 एम4 क्रायोजनिक ऊपरी चरण का मिशन के बाद का जीवनकाल अंतरिक्ष मलबा समन्वय समिति (आईएडीसी) 25 साल तय किया हुआ है।

आज जारी होगा BJP का घोषणा पत्र, कांग्रेस की गारंटियों के जवाब में हो सकती है मोदी गारंटी

राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी का घोषणा पत्र आज पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा जयपुर में जारी करेंगे। इस घोषणा पत्र में कांग्रेस की गारंटी के जवाब में मोदी की गारंटी हो सकती है। इसके अलावा नजर इस बात पर भी रहेगी कि पार्टी पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना यानी ईआरसीपी को लेकर क्या घोषणा करती है। बीजेपी ने अपना चुनावी संकल्प पत्र तैयार करने के लिए संकल्प यात्रा तक निकाली, जिसमें संकल्प रथ हर जिले और विधानसभा में पहुंचे थे। भाजपा ने इस घोषणा पत्र को

एक जन अभियान के जरिए तैयार किया है। इसको लेकर भाजपा ने 'आपणो राजस्थान सुझाव आपका, संकल्प हमारा' अभियान के जरिए एक करोड़ तीन लाख सुझावों के आधार पर इसे तैयार किया है।

बीजेपी अपने संकल्प पत्र के पिटारे में सभी वर्गों का समावेश करने की कोशिश करेगी। हालांकि, माना जा रहा है कि बीजेपी अपने संकल्प पत्र में महिला सुरक्षा, पेपर लीक, युवाओं के मुद्दों को ज्यादा केंद्रित कर सकती है। बीजेपी ने महिला अपराधों को लेकर गहलोत सरकार को पिछले पांच साल से कठघरे में खड़ा किया है। ऐसे में भाजपा के संकल्प पत्र में महिलाओं की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के साथ ही अपराध मुक्त राजस्थान का भी विजन दिखाई दे सकता है। साथ ही इस संकल्प पत्र में पेपर लीक को रोकने का भी जिक्र हो सकता है।

'कमजोर रहकर शांति संभव नहीं', इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग में बोले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिरकत की। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा, कोई कमजोरी की स्थिति से शांति स्थापित नहीं कर सकता है, न ही बातचीत कर सकता है। उपराष्ट्रपति ने कहा, वसुधैव कुटुंबकम के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता हमारे जीवन का तरीका है। यह देश के वैश्विक दृष्टिकोण को निर्धारित करती है। उन्होंने कहा, एक राष्ट्र के रूप में भारत को शांति के समर्थक के रूप में जाना जाता है। भारत ने कभी विस्तारवादी सोच को बढ़ावा नहीं दिया है। आपकी ताकत वैश्विक व्यवस्था को परिभाषित करेगी, साथ ही आपकी ताकत शांति को परिभाषित करेगी। कमजोर स्थिति में शांति की आकांक्षा नहीं की जा सकती है।

अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता में भारत की हिस्सेदारी है। 2030 तक भारत जापान और जर्मनी को पछाड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। धनखड़ ने कहा, जैसे-जैसे विकास और तकनीकी पहुंच के साथ भारत की आर्थिक शक्ति बढ़ रही है, वैसे-वैसे वैश्विक, क्षेत्रीय मामलों में हमारी हिस्सेदारी और इसके साथ आने वाली चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, भारत में दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ाने की जबरदस्त क्षमता है। साथ ही ऐसा परिदृश्य हमारे जीवन को बेहतर बनाता है।

'दक्षिण चीन सागर में कानूनों का उल्लंघन', नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने कही यह बात

भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने बुधवार को यह बात कही। इंडो-पैसिफिक में बहुराष्ट्रीय ताकतों की बढ़ती मौजूदगी के कारण यह डर है कि क्षेत्र का 'ग्लोबल कॉमन्स' 'कंटेस्टेड सीज' में बदल सकता है।

इंडो-पैसिफिक की भौगोलिक परिभाषा के बारे में अलग-अलग व्याख्याओं पर चर्चा करते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा, यह क्षेत्र भारत के लिए अफ्रीका के पूर्वी तटों से लेकर अमेरिका के पश्चिमी तटों तक फैला हुआ है। वहीं अमेरिका के लिए यह प्रशांत तट रेखा से लेकर हिंद महासागर है। लेकिन जब इंडो-पैसिफिक को परिभाषित करने की बात आती है तो सीमाएं ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं रह जाती है। उन्होंने कहा, अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती रोधी गश्त सहित कई अभियानों के लिए अतिरिक्त क्षेत्रीय बलों के 50 से अधिक युद्धपोत हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात रहते हैं।

बता दें सेमिनार में भारत-प्रशांत समुद्री व्यापार और कनेक्टिविटी पर भू-राजनीतिक प्रभावों' पर जोर दिया, जिसमें "समुद्री सुरक्षा" सहित भारत-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) के सभी सात स्तंभों के बीच बहुआयामी संबंधों पर प्रकाश डाला गया।

चीनी सेना द्वारा मछुआरों को धमकाने से दक्षिण चीन सागर में स्थापित कानूनों के उल्लंघन की संख्या बढ़ गई है। यह साफतौर पर समुद्री अनुशासन के लिए खतरा है।

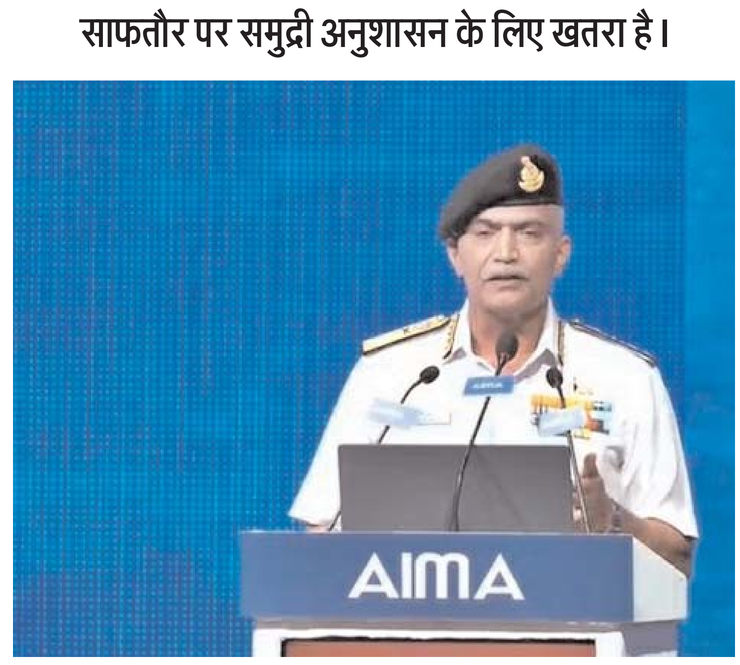

भारतीय नौसेना के वार्षिक शीर्ष स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 'द इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग 2023' को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय नौसेना ने समुद्री कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की दिशा में अधिक रचनात्मक भूमिका निभाने के अपने प्रयासों को प्राथमिकता दी है। पूरे क्षेत्र में और इसे तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं में रेखांकित किया। एडमिरल हरि कुमार ने आम समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए 'सहभागी' और 'समावेशी' दृष्टिकोण के साथ आम समुद्री चुनौतियों का सामना करने के महत्व को समझाया।

ईवीएम एवं वीवीपेट मशीनों को मतदान के लिए किया जा रहा तैयार

रुद्रांश दर्पण-सवाई माधोपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के अन्तर्गत 25 नवंबर, 2023 को होने वाले मतदान दिवस को पूर्णतः निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से ईवीएम का प्रथम एवं द्वितीय रेन्डमाईजेशन होने के उपरांत बुधवार को सामान्य प्रेक्षक सवाई माधोपुर एवं खण्डार परिमल सिंह, गंगापुर सिटी विधानसभा की सामान्य प्रेक्षक रूही खान, जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार ओला, उप जिला निर्वाचन अधिकारी जीतेन्द्र सिंह नरूका, रिटर्निंग अधिकारी गंगापुर सिटी राधेश्याम मीना, रिटर्निंग अधिकारी रिटर्निंग अधिकारी अंशुल सिंह, रिटर्निंग अधिकारी सवाई माधोपुर अनिल चौधरी, रिटर्निंग अधिकारी खण्डार बंशीधर योगी, भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड द्वारा नियुक्त इंजीनियर्स एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों आईएनसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राधेश्याम मीना, बीजेपी के जिला महामंत्री चम्पालाल मीना की उपस्थिति में ईवीएम एवं वीवीपेट मशीनों को मतदान के लिए तैयार करने का कार्य महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय साहूनगर सवाई माधोपुर में किया जा रहा है।

कमिशिनंग के उपरांत सभी विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम एवं वीवीपेट को निर्धारित स्ट्रांग रूम में उनके लिए निर्धारित किए गए खानो में रखा गया।

बुजुर्ग और विशेष योग्यजन मतदाताओं ने किया घर पर मतदान

रुद्रांश दर्पण-श्रीगंगानगर

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया होम वोटिंग प्रक्रिया का निरीक्षण

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अंशदीप ने सादुलशहर विधानसभा क्षेत्र में होम वोटिंग प्रक्रिया का निरीक्षण भी किया।

राजस्थान विधानसभा आम चुनाव-2023 में 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले विशेष योग्यजन मतदाता भारत निर्वाचन आयोग की पहल पर पहली बार घर से ही उत्साहपूर्वक मतदान कर रहे हैं। जिले में बुधवार को दूसरे दिन भी पात्र मतदाताओं ने घर पर मतदान किया। जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अंशदीप ने सादुलशहर विधानसभा क्षेत्र के गांव चमारखेडा में पात्र मतदाता के घर होम वोटिंग प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इसके पश्चात उन्होंने एसडीएम कार्यालय में निर्वाचन कार्यो से जुडे अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि राजस्थान विधानसभा आम चुनाव-2023 के अंतर्गत प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा विशेष योग्यजन मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा का विकल्प दिया गया है। उन्होंने बताया कि होम वोटिंग सुविधा के लिए आवेदन करने वाले मतदाताओं के घर जाकर विशेष मतदान दल पूरी गोपनीयता के साथ डाक मतपत्र के माध्यम से उनका मतदान करवा रहे हैं। पोस्टल बैलेट के माध्यम से 19 नवम्बर तक घर पर ही मतदान करवाया जाएगा। जो मतदाता होम वोटिंग के पहले चरण के दौरान घर पर अनुपस्थित रहेंगे, उनके लिए 20 और 21 नवम्बर को विशेष मतदान दल दूसरी बार विजिट करेंगे। अनिवार्य सेवाओं से जुड़े मतदाताओं के लिए मतदान की तारीखें 19 नवम्बर से 21 नवम्बर तक तय की गई हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि होम वोटिंग सुविधा का लाभ देने के लिये मतदान दल जिले की सभी विधानसभा क्षेत्र में निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार पात्र मतदाताओं के घर तक पहुंचे। यहां सभी आवश्यक तैयारियों के बाद निर्वाचन प्रक्रिया के तहत बूथ बनाकर होम वोटिंग करवाई गई। रायसिंहनगर विधानसभा में बूथ संख्या 229 के श्रीबिजयनगर निवासी विशेष योग्यजन मतदाता विद्यादेवी (आयु 30 वर्ष) ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इसी विधानसभा क्षेत्र के गांव 21 पीटीडी निवासी विशेष योग्यजन मतदाता हरबंस सिंह (आयु 52 वर्ष), बूथ संख्या 228 के श्रीबिजयनगर निवासी 88 वर्षीय श्री बसुराम, बूथ संख्या 256 के गांव 23 एसडी निवासी 82 वर्षीय श्री सोनाराम, बूथ संख्या 29 के गांव 60 आरबी निवासी 87 वर्षीय श्रीमती सीमा देवी, अनूपगढ विधानसभा के गांव 13 डीओएल-ए के बूथ संख्या 59 की 91 वर्षीय श्रीमती मंजुरा देवी ने घर पर ही होम वोटिंग सुविधा के जरिये मतदान की गोपनीयता बनाये रखते हुए मतदान किया।

सतरंगी सप्ताह 16 से 22 नवंबर तक

रुद्रांश दर्पण-सवाई माधोपुर

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदान दिवस 25 नवंबर, 2023 को मतदाताओं की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सतरंगी सप्ताह मनाया जा रहा है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद एवं स्वीप प्रभारी मुरलीधर प्रतिहार ने बताया कि सतरंगी सप्ताह के तहत 16 नवंबर को हम भी नाचेंगे, गाएंगे, वोट डालकर आएंगे की थीम पर लोक नृत्य, 17 नवंबर को श्रमिक वर्ग को सर्मित अंगुली पर निशान राष्ट्र के नाम बैण्ड वादन एवं मतदान प्रतिज्ञा, 18 नवंबर को सर्विस वोटर एवं सरकारी कर्मचारियों के लिए समावेशी वॉकथान, 19 नवंबर को हम भी सक्षम, राष्ट्र भी सक्षम पर विशेष योग्यजनों के लिए ट्राईसाईकिल रैली, 20 नवंबर को मताधिकार का प्रयोग करेंगे वोट करेंगे, वोट करेंगे थीम पर मतदाता रैली और फ्लैश मॉब का आयोजन होगा,

21 नवंबर को वोट करूंगी, तभी तो बढ़ूँगी --

थीम पर महिला रंगोली महिला मार्च एवं 22 नवंबर को लालच पर होगी चोट, सोच समझ कर करेंगे वोट थीम पर वोट वृक्ष एवं दीपदान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने आयोग के निदेर्शानुसार रिटर्निंग अधिकारी स्तर पर गठित स्वीप टीमों को सतरंगी सप्ताह आयोजित करने के निर्देश प्रदान किए।

जिले में स्काउट्स कर रहें है होम वोटिंग में सहयोग

रुद्रांश दर्पण-सीकर

सीकर जिले के पालवास गांव में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशानुसार 80 वर्ष से अधिक आयु एवं दिव्यांग मतदाता जो बूथ तक नहीं जा सकते हैं, उनकी होम वोटिंग करवाई गई ।

बीएलओ एवं स्काउट मास्टर मुकेश भूकर ने बताया कि महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय पालवास के स्काउट्स ने होम वोटिंग में मतदान दल का अपेक्षित सहयोग किया। पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारियों ने स्काउट के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

आरपीएससी शिक्षक फोरम पदाधिकारियों कि बैठक सम्पन्न

रुद्रांश दर्पण-दौसा

फोरम संरक्षक रंग लाल मीणा व संयोजक कैलाश शर्मा कि अध्यक्षता में आयोजित पदाधिकारी की बैठक में भी निर्णय लिया गया कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता के सहयोग के लिए जारी विभिन्न पो का जहां सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जाएगा वहीं फोरम सदस्य अपने परिक्षेत्र में मतदाताओ को शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक करेंगे, फोरम के जिला प्रवक्ता अभय सक्सैना ने कहा कि फोरम ने श्लोगन जारी किया है, जिसमें लोकतंत्र को सपोर्ट करेंगे, हम सब मिलकर 25 नवंबर को वोट करेंगे और इसी नारे को लेकर क्षेत्र में अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित करेंगे, इस अवसर पर प्रकाश महावर, सुरेश चंद्र सैनी, विनोद सिंह, घनश्याम चौबदार, सतीश शर्मा, राम खिलाड़ी मीणा, बसराम गूजर, विनोद मल्होत्रा, कमलेश हरियाणा, दिलीप शर्मा सहित फोरम पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में सहयोग करने का लिया फैसला

जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने बताया कि निर्वाचन विभाग द्वारा जिले में शत प्रतिशत मतदान हो इसके लिए विभिन्न प्रकार के नवाचार क्षेत्र में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत जिले व ब्लॉक कि स्वीप टीम द्वारा किए जा रहे हैं।

होम वोटिंग गुरुवार से, मतदानदलों एवं सामान्य माइक्रोऑब्जर्वर का द्वितीय रेंडमाइजेशन

रुद्रांश दर्पण-चुरु

मतदान केन्द्रों एवं मतदान दलों की व्यवस्थाओं को लेकर की समीक्षा,जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ सिहाग ने बेहतरीन व्यवस्थाओं के लिए किया आश्वस्त

इस अवसर पर सामान्य पर्यवेक्षक अश्विनी यादव ने सी-विजिल एप्प पर प्राप्त शिकायतों एवं उनके निस्तारण तथा मतदान के दौरान जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर रोशनी, बिजली व जलापूर्ति सहित बिन्दुओं पर चर्चा की और कहा कि समस्त निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित की जानी है। सामान्य पर्यवेक्षक अनिता यादव ने मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग एवं सुरक्षा व्यवस्था सहित बिन्दुओं पर चर्चा कर विस्तृत जानकारी ली।

सामान्य पर्यवेक्षक एस कृष्ण चैतन्य ने मतदान दलों की व्यवस्थाओं, उनको दी जाने वाली सुविधाओं, यातायात एवं प्रशिक्षण के बारे में समीक्षा की। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी सिहाग ने मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्थाओं, रोशनी, बिजली एवं मतदान दलों की सुविधाओं के बारे में जानकारी देते हुए बेहतरीन व्यवस्थाओं के लिए आश्वस्त किया।

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार होम वोटिंग के लिए जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के मतदान दलों एवं सामान्य माइक्रो ऑब्जर्वरों का रेंडमाइजशन जिला निर्वाचनअधिकारी (कलक्टर) सिद्धार्थ सिहाग के निर्देशन में बुधवार को जिला कलक्ट्रेट स्थित एनआईसी में किया गया। इस दौरान भारत निर्वाचन आयोग की ओर से विधानसभा चुनावों के लिए नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक डॉ अश्विनी यादव आईएएस, अनिता यादव आईएएस, एस कृष्ण चैतन्य आईएएस भी मौजूद रहे।

उन्होंने बताया कि जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में गुरुवार से होम वोटिंग की प्रक्रिया शुरू की जाएगी तथा होम वोटिंग के लिए यह रेण्डमाईजेशन किया गया है। जिले के सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए 14 (11 एक्टिव व 3 रिजर्व) मतदान दल, तारानगर विधानसभा क्षेत्र के लिए 15 (12 एक्टिव व 3 रिजर्व) मतदान दल, सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र के लिए 17 (15 एक्टिव व 2 रिजर्व) मतदान दल, चूरू विधानसभा क्षेत्रके लिए 17 (15 एक्टिव व 2 रिजर्व) मतदान दल, रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए 15 (13एक्टिव व 2 रिजर्व) मतदान दल, सुजानगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए 16 (14 एक्टिव व 2 रिजर्व) मतदान दल सहित कुल 94 मतदान दल प्रथम एवं 94 मतदान दल द्वितीय तथा 94 माइक्रोऑब्जर्वरका रेंडमाइजेशन किया गया है।

इस दौरान डीओआईटी एसीपी नरेश टुहानिया ने रेंडमाइजेशन के बारे में समुचित जानकारी दी।

रेंडमाइजेशन के दौरान सीईओ पीआर मीणा,रविंद्र बुडानिया, पर्यवेक्षक प्रकोष्ठ अतिरिक्त नोडल अधिकारी ओमप्रकाश फगेड़िया, लाइजनिंग अधिकारी डॉ मंगल जाखड़, एपीआरओ मनीष कुमार, सुनिल बुडानिया, गुरप्रीत लबाना, महेंद्रशर्मा, बुद्धरमल जांगिड़, मनोज वर्मा, हनीफ खान आदि मौजूद रहे रेंडमाइजेशन के दौरान सीईओ पीआर मीणा,रविंद्र बुडानिया, पर्यवेक्षक प्रकोष्ठ अतिरिक्त नोडल अधिकारी ओमप्रकाश फगेड़िया, लाइजनिंग अधिकारी डॉ मंगल जाखड़, एपीआरओ मनीष कुमार, सुनिल बुडानिया, गुरप्रीत लबाना, महेंद्रशर्मा, बुद्धरमल जांगिड़, मनोज वर्मा, हनीफ खान आदि मौजूद रहे।

मतदान दल कार्मिक मॉक पोल के सभी बिन्दुओं पर गहनता से ध्यान दें - जिला निर्वाचन अधिकारी

रुद्रांश दर्पण-धौलपुर

निर्वाचन में लगे मतदान दलों के कार्मिकों के लिए जिला स्तर पर द्वितीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महाराणा स्कूल धौलपुर में आयोजित प्रशिक्षण में जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार अग्रवाल जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे मतदान दल के प्रत्येक मतदान प्रशिक्षण कक्ष में जाकर निरीक्षण किया एवं मतदान कर्मचारियों से कहा कि मतदान दल पूरी रुचि के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मॉक पोल प्रक्रिया के सभी बिन्दुओं पर गहनता से ध्यान देने हेतु निर्देशित किया। सभी बारीकियां को समझें जिससे मतदान के समय कोई समस्या ना आए। मतदान करने में मतदान दलों की अहम भूमिका है इसलिए मन में कोई भी सवाल आए उसे अवश्य पूछे। उन्होंने मतदान दल से सवाल भी पूछे। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र का त्यौहार है। मतदान को एक उत्सव के रूप में लेना है और इसी विचारधारा के साथ मतदान केंद्र पर मतदान कराने के लिए जाएं। उन्होंने मतदान प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर मतदान दलों के लिए व्यवस्थाएं बेहतर हो इसके लिए माकूल व्यवस्थाएं की गई है। इस अवसर पर निर्वाचन कार्य में लगे आलाधिकारी गुणों सहित अन्य मौजूद थे।

मिनी वृंदावन के ऐतिहासिक गोवर्धननाथ जू मेले का शुभारंभ:

140 साल पुराने मेले को राजकीय किए जाने की मांग, एक महीने तक लगेगा मेला

रुद्रांश दर्पण-महोबा

महोबा में धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व वाले गोवर्धननाथ जू के 140वें मेले का शुभारंभ हो गया। मिनी वृंदावन के नाम से चर्चित चरखारी कस्बे के इस सुप्रसिद्ध मेले का शुभारंभ एमएलसी और सदर विधायक ने किया है।

एक माह तक चलने वाले इस मेले की शुरूआत होते ही चरखारी कस्बा वृंदावन के माहौल जैसा दिखने लगा है। शहर में स्थित मंदिर से गोवर्धन पर्वतधारी भगवान कृष्ण और राधा को रथ में सवार कर मेला स्थल लाकर स्थापित किया गया। कस्बे में भगवान कृष्ण के 108 मंदिर हैं, जिनकी मूर्तियां भी यहां लाकर स्थापित की गई हैं। मेले में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम नगर पालिका द्वारा आयोजित कराए जाएंगे, जिसकी तैयारी को लेकर व्यापक इंतजाम पालिका प्रशासन द्वारा किए गए, लेकिन इस मेले को राजकीय मेले का दर्जा न मिल पाने के कारण लोगों के मन में टीस भी है।

तो वहीं सदर विधायक ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस ऐतिहासिक मेले को राजकीय मेला किए जाने की मांग की है।

भगवान कृष्ण और राधा की मूर्ति को रथ में सवार कर मेला मंदिर में स्थापित किया गया। जहां मुख्य पुजारी सहित अन्य पुरोहितों ने विधि विधान के साथ अनुष्ठान कर गोवर्धन पर्वत धारी कृष्ण और देवी राधा और बलराम की प्रतिमाओं को स्थापित कराया।

तो वहीं इस मौके पर यजमान के रूप में एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर और सदर विधायक राकेश गोस्वामी मौजूद रहे। यह 140वां मेला है, जिसकी शुरूआत वैदिक पत्रों के साथ हो गई है।

"वृंदावन मय भई चरखारी" जी हां बुंदेलखंड का कश्मीर कहे जाने वाला चरखारी आज वृंदावन जैसा नजर आ रहा है। इसी चरखारी में 108 भगवान कृष्ण के मंदिर हैं, इसलिए इसे मिनी वृंदावन भी कहा जाता है। दीपावली पर्व के बाद होने वाले इस में मेले का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। 1883 में कृष्ण भक्त चरखारी रियासत के राजा मलखान जूदेव ने गोवर्धन मंदिर की स्थापना की थी। इस मंदिर में भगवान कृष्ण राधा की अष्टधातु की मूर्ति स्थापित है। दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा से शुरू होकर एक माह चलने वाले मेले को लेकर चरखारी में कृष्ण भक्तों का भारी हुजूम उमड़ आता है।

राममंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के लिए तैयार: भव्य रोशनी में सोने जैसा निखर रहा, पिंक सैंड स्टोन की नक्काशी

रुद्रांश दर्पण-अयोध्या

22 जनवरी 2024 को श्रीरामजन्मभूमि पर बन रहे भव्य राम मंदिर की प्राण- प्रतिष्ठा होगी। इसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे। इस महापर्व में केवल दो माह शेष रह गए हैं।इस बीच राम मंदिर का भूतल पूरी तरह बनकर तैयार है। फिनिशिंग और भव्य प्रकाश के बीच इसकी भव्यता देखते ही बनती है।

श्री राम जन्मभूमि में निमार्णाधीन दिव्य मंदिर में 42 दरवाजे लगाए जाएंगे। इसके लिए महाराष्ट्र के चंद्रपुर व गडचिरोली के जंगलों में पाए जाने वाले सागौन की करीब 2 हजार सीएफटी लकड़ी से गर्भ गृह और भूतल में लगने वाले 14 दरवाजों का निर्माण किया जाएगा। दरवाजे बनाने के बाद अब उन पर सोने की परत का काम चल रहा है।

राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र बताते हैं कि दिसंबर 2023 में ग्राउंड फ्लोर पूरी तरह तैयार हो जाएगा। इस फ्लोर पर गर्भगृह समेत 5 मंडप जिनके नाम गुड़ी मंडप, नृत्य मंडप, रंग मंडप, कीर्तन मंडप हैं। इसके साथ ही मंदिर में प्रवेश करने के लिए सिंह द्वार का निर्माण हुआ है। मंदिर का गर्भगृह अष्टकोणीय है। जिसमें बीचों बीच पीछे की ओर भगवान रामलला के विराजने का आसन होगा।

उनका कहना है कि मंदिर का निर्माण नागर शैली में किया जा रहा है। उत्तर भारत में प्राचीन काल के मंदिर इसी शैली में बने हुए हैं। इसके साथ ही मंदिर के गर्भगृह में भगवान के बाल स्वरूप की एक बड़ी मूर्ति भी स्थापित हो रही है। ताकि श्रद्धालुओं को दूर से भगवान के दर्शन में आसानी हो। यह मूर्ति बाल स्वरूप कोमल दिखने वाली होगी जिसमें भगवान कमल पर विराजमान होकर दर्शन देंगे। रामनवमी के दिन भगवान राम का सूर्य तिलक से अभिषेक होगा

डा. अनिल मिश्र बताते हैं कि मंदिर के पहले तल का काम तेजी से हो रहा है। इसके खंभें लगभग बनकर तैयार हैं। दूसरे फ्लोर का काम 2024 में शुरू हो जाएगा। इस फ्लोर पर राम दरबार होगा। मंदिर में एक तीसरा फ्लोर भी बनेगा, लेकिन इस पर श्रद्धालुओं की इंट्री नहीं होगी। मंदिर का शिखर 161 फीट ऊंचा होगा। रामनवमी के दिन भगवान राम का सूर्य तिलक से अभिषेक होगा। यानी सूर्य की किरण सीधे भगवान के ऊपर तक आएगी। यह किरण कैसे आएगी, इसके लिए IIT रुड़की के प्रोफेसर काम कर रहे हैं।

मिश्र बताते हैं कि गर्भगृह के चारों तरफ 14 फीट चौड़ा परिक्रमा कॉरिडोर भी होगा। मंदिर से 25 से 27 मीटर की दूरी पर परकोटे (प्लिंथ) का निर्माण होगा। इसकी ऊंचाई करीब 16 फीट होगी। इन परकोटों पर दक्षिण पूर्व की दिशा में विष्णु पंचायतन मंदिर, उत्तर पूर्व में दुर्गा जी का मंदिर, ईशान कोण पर गणेश जी का, अग्नि कोण पर शंकर भगवान, उत्तर दिशा में अन्नपूर्णा माता और गर्भगृह के दक्षिण ओर हनुमान जी का मंदिर होगा। मंदिर का प्रवेश द्वार पूर्व दिशा में होगा और एग्जिट दक्षिण में होगा।

मंडपों में बहुत पतली और छोटी नक्काशी की गई है।

कारीगर राम मंदिर के लिए तैयार करेंगे दरवाजा

दरवाजों के लिए इन लकड़ियों पर नक्काशी का काम हैदराबाद तेलंगाना में होना था, लेकिन तीर्थ क्षेत्र ने निर्णय लिया है कि लकड़ियों पर नक्काशी का काम अब साइट पर ही रामजन्म भूमि परिसर में कराया जाए। दरवाजों की खूबसूरत नक्काशी के लिए देश के लिए

अयोध्या में 200 करोड़ से बनेगा लक्ष्मण पथ: गुप्तारघाट से राजघाट तक फोरलेन बनेगा, 12 किमी लंबा होगा

रुद्रांश दर्पण-अयोध्या

अयोध्या में 200 करोड़ की लागत से बनेगा लक्ष्मण पथ के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है।

माना जा रहा है कि यह जल्द स्वीकृत होगा जिसके बाद अयोध्या धाम से गुप्तार घाट की दूरी न केवल कम होगी बल्कि पर्यटक और संत अनावश्यक भीड़ से बचकर एक दूसरी जगह आसानी से आवाजाही कर सकेंगे। श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है। इन सब के बीच अयोध्या की कनेक्टिविटी को भी लगातार अपग्रेड किया जा रहा है। श्रीराम की नगरी में अलग-अलग पथों के जरिये फोर लेन कनेक्टिविटी प्रदान की जा *रही है। इसमें अब एक नया नाम लक्ष्मण पथ का जुड़ने जा रहा है। इसके निर्माण की लागत करीब 200 करोड़ आंकी गई है।

गुप्तारघाट से राजघाट तक की सड़क होगी फोरलेन

अयोध्या में राम पथ के निर्माण के साथ अब उनके छोटे भाई लक्ष्मण के नाम पर भी पथ बनेगा। इसके बाद जन्मभूमि पथ, भक्ति पथ, धर्म पथ और न्याय पथ के बाद अब इस पथ का निर्माण भी प्रदेश की योगी सरकार कराने की तैयारी में जुट गई है। इस नये वैकल्पिक मार्ग निर्माण की भी पूरी कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। डीएम नीतीश कुमार के अनुसार लक्ष्मण पथ गुप्तार घाट से राजघाट तक बनाया जाएगा।

वैकल्पिक मार्ग का डीपीआर शासन को प्रेषित कर दिया गया है

कार्यदाई संस्था प्रांतीय खंड लोनिवि की निर्माण इकाई द्वितीय के अधिशासी अभियंता एसपी भारती ने बताया कि यह पथ फोरलेन होगा। करीब 12 किलोमीटर लंबा यह पथ उदया हरिश्चंद्र घाट तटबंध के समानांतर प्रस्तावित है। तटबंध की चौड़ाई पहले छह मीटर थी, जिसे एक मीटर बढ़ाकर सात मीटर कर दिया गया है। इधर, लक्ष्मण पथ की चौड़ाई 18 मीटर तय की गई है। लगभग दो सौ करोड़ की लागत से प्रस्तावित इस वैकल्पिक मार्ग का डीपीआर शासन को प्रेषित कर दिया गया है और स्वीकृति की प्रतीक्षा है।

भाई को अकाल मृत्यु से बचाने के लिए यमुना स्नान: मथुरा पहुंचे हजारों श्रद्धालु; भाई-दूज का पर्व, यम-यमुना से भाई की लंबी आयु की प्रार्थना की

रुद्रांश दर्पण-मथुरा

मथुरा में अपने भाई को यम की फांस (अकाल मृत्यु) से बचाने को हजारों बहनों ने मंगलवार को यम द्वितीया पर अपने भाई का हाथ थाम कर यमुना में आस्था की डुबकी लगाई।

इसके बाद यम-यमुना मंदिर में पूजन करके अपने भाई की सलामती की कामना की। इस दौरान प्रशासन व नगर निगम की भी व्यवस्थाएं रहीं।

मंगलवार को गोवर्धन पूजा के साथ काफी संख्या में लोगों ने यम द्वितीया पर्व (भाई दूज) भी मनाया। इसके चलते उन्होंने पहले बहनों ने अपने भाई के साथ मां यमुना में स्नान किया। फिर आसन पर बिठाकर अपने भाई का तिलक कर भाईयों को स्नेह व आशीर्वाद दिया। तत्पश्चात विश्राम घाट की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर बने यम-यमुना मंदिर में जाकर वैदिक विधि विधान से दीपक जलाकर पूजा अर्चना की।

बहनों ने यम-यमुना से अपने भाई की लंबी व स्वस्थ आयु की कामना करते हुए मनौती मांगी। इस दौरान हजारों की संख्या में भाई-बहन यमुना के तीर्थ घाट विश्राम घाट पर मौजूद रहे। यहां स्थानीय पंडों ने भाई-बहनों को पूजा कराई। नगर निगम व पुलिस प्रशासन ने भी किसी भी अप्रिय घटना को घटित होने से रोकने के लिए व्यवस्थाएं कीं।

यमुना के आसपास तैनात होंगे 500 पुलिस कर्मी: गहरे पानी में जाने से रोका जाएगा

डीसीपी और एसीपी ने किया घाटों का दौरा

रुद्रांश दर्पण-नोएडा

आगामी छठ पूजा पर्व को ध्यान में रखते हुए एडिशनल डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी और एसीपी रजनीश वर्मा ने पुलिस बल के साथ यमुना क्षेत्र के आसपास बने घाटों का निरीक्षण किया और संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नोएडा में कुल 30 जगहों पर छठ पूजा के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा छठ पूजा के आयोजन कर्ता के साथ तैयारियों के संबंध में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। संबंधित थाने के प्रभारी को निर्देशित किया गया कि सभी प्रकार की तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाए और घाट के आसपास पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था हो। जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या न हो। लोगों की सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए एवं यमुना नदी के किनारे पानी के आसपास बैरिकेडिंग की जाए। श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोका जाए। पूर्व में ही ड्यूटी चार्ट बनाकर पुलिस बल को तैनात किया जाए और भीड़ नियंत्रण के लिए सभी व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाए। अन्य जोन में भी अधिकारियों ने छठ पूजा घाट का निरीक्षण और दौरा किया। छठ पूजा घाट पर करीब 500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इसमें महिला पुलिसकर्मी के साथ ही सादे कपड़े में भी पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। सीसीटीवी कैमरे से भी घाटों पर नजर रखी जाएगी। वहीं पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा सुनीति सिंह ने थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के अंतर्गत बहलोलपुर , छीजा रसी व सेक्टर 63ए में बने छठ पूजा घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा छठ पूजा पंडाल के पदाधिकारियों के साथ वातालाप करते हुए निर्देशित किया गया कि छठ पूजा तैयारियों को समय से पूर्ण कर ली जाए और पंडाल के आसपास सुरक्षा और व्यवस्था का पूर्ण इंतजाम रखा जाए। जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या न हो। लोगों की सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाये व भीड़ नियंत्रण हेतु सभी व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाये। सभी पंडाल के आसपास बिजली, पानी का पूर्ण इंतजाम हो और बैरिकेडिंग लगाकर भीड़ की व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाए।

वाराणसी में जाणता राजा के मंच की शुरू हुई तैयारी: सीएम योगी आदित्यनाथ करेंगे उद्घाटन

रुद्रांश दर्पण-वाराणसी

वाराणसी में दुनिया में अपनी तरह का एकमात्र और अनोखा नाटक जाणता राजा का मंचन 21 से 26 नवंबर तक बीएचयू के एंफीथियेटर मैदान में होने वाला हैं। जिसको लेकर तैयारियां शुरू हो गया हैं। इस नाटक का शुभारंभ वाराणसी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जायेगा। छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित महानाट्य जाणता राजा विश्व का सबसे बड़ा मोबाइल ड्रामा है। इस नाट्य का भारत, अमेरिका, इंग्लैंड समेत दुनियाभर के देशों में 1300 से अधिक बार मंचन हो चुका है।

21 से 26 नवम्बर तक होगा आयोजन

300 कलाकारों द्वारा होगा लीला का मंचन

आयोजन से जुड़े सेवा भारती के अध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्म से लेकर सिंहासन पर बैठने तक की कहानी अपने आप में निराली है। इसमें करीब 300 कलाकारों और 100 तकनीशियनों की मदद से होने वाला ये नाटक दुनिया के किसी भी ब्रॉड-वे शो पर भारी है।

300 अधिक कलाकार करेंगे अभिनय

मुख्य रंगमंच करीब चार मंजिल ऊंचा बनेगा। मंच के सामने लोगों के बैठने के लिए सोफे और कुर्सियां डाली जाएंगी। एक साथ करीब 12 हजार लोग नाटक के मंचन का आनंद ले सकेंगे। नाटक में 300 से अधिक कलाकार अभिनय करेंगे। इसमें हाथी, घोड़े, ऊंट और बैल गाड़ियां, पालकी का प्रत्यक्ष प्रयोग होगा। नाटक का मंचन 21 से 26 नवम्बर तक हर रोज शाम 4.30 बजे से होगा।

नाटक में प्राप्त पैसे से बनेगा धर्मशाला

सेवा भारती के अध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया कि इस नाटक में जितने पैसे टिकट का प्राप्त होगा। उससे कैंसर अस्पताल के पास एक धर्मशाला का निर्माण कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि हमें उम्मीद है कि 6 दिन के नाटक में लाखों लोगों के पहुंचने की उम्मीद हैं।

1985 में शुरू हुआ था जाणता राजा नाटक

पुणे में 29 जुलाई 1922 में जन्मे इतिहासकार बाबा साहेब पुरंदरे ने मराठी भाषा में राजा शिवा जी छत्रपति किताब लिखी थी। इस किताब में शिवाजी महाराज के पूरे जीवन का सार है। शिवाजी महाराज के जीवन पर उन्होंने 1985 में जाणता राजा नाटक शुरू किया था। बाबा साहेब पुरंदरे को पद्म विभूषण, कालीदास सम्मान और महाराष्ट्र भूषण से नवाजा जा चुका है। 1985 के बाद से लगातार इसका मंचन होता चला आ रहा है।

कांग्रेस का चुनावी मायाजाल

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के मतदान के लिए एक दिन शेष है। प्रदेश में वर्ष 2003 से कांग्रेस सरकार बनाने के लिए तड़प रही है। यद्यपि 2018 में उसे मौका मिला भी था मगर आपस में ही लड़कर सरकार गंवा दी थी। यह मौका उसे भाजपा के विरोध के कारण नहीं बल्कि प्रदेश की जनता को भ्रमित करके तरह-तरह के सुनहरे स्वप्न दिखाने की वजह से मिला था। लेकिन सरकार बनते ही कांग्रेस अपने उसी ढर्रे में आ गई जिसके कारण उसे प्रदेश की जनता ने उखाड़ कर फेंक दिया था। अब फिर से वह उसी तरीके से सत्ता हासिल करने के लिए हाथ-पैर मार रही है। इसलिए उसने अबकी बार भी चुनावी मायाजाल फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अपने पुराने वचन पत्र को और ज्यादा चमक-दमक के साथ पेश करके जनता को फिर अपने मायाजाल में फंसाने का पूरा इंतजाम किया है। वास्तव में कांग्रेस इतने वर्षो से सत्ता से बाहर है कि उसके पास कुछ बताने को है ही नहीं। वर्ष 2003 से पहले लगातार 10 वर्षो के शासन में उसने प्रदेश की जो दुर्गति की थी, वह आज भी लोग भूले नहीं हैं। इसीलिए वह तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को बहुत ज्यादा सामने भी नहीं लाती। मगर सवा साल के लिए मुख्यमंत्री बने कमलनाथ भी कुछ ऐसा नहीं कर पाए जिससे जनता कांग्रेस के वायदों पर भरोसा कर सके। सरकार बनते ही 10 दिन में किसानों की कर्जमाफी का भरोसा दिलाने वाली कांग्रेस की सरकार सवा साल में अपना वायदा पूरा नहीं कर पायी। किसान स्वयं को छला महसूस करते रह गए। शिवराज सिंह सरकार की जो जनकल्याणकारी योजनाएं थी, वे भी कांग्रेस की सरकार ने बंद कर दी थीं। कमलनाथ की सरकार एक भी काम ऐसा नहीं कर पायी जिसे वह इस चुनाव में जनता के सामने रख पाते। इसीलिए कांग्रेस एक तरफ छल-प्रपंच का सहारा ले रही है तो दूसरी तरफ तुष्टिकरण के जरिए मुसलमानों को अपनी तरफ खींचने और हिन्दुओं को जात-पांत में बांटकर सत्ता हासिल करने का समीकरण बना रही है। समाज को बांटने और शासन करने का उसका हुनर पैदाइशी है। इसी दम पर उसने पूरे देश में कई दशकों तक एक छत्र राज भी किया है। मगर अब समाज पहले से कहीं ज्यादा जागरूक है और वह कांग्रेस की मंशा को जान चुका है। इसलिए कांग्रेस की दाल गल नहीं रही। जिन राज्यों में वह सत्ता हासिल करती है, वहां मुस्लिम तुष्टिकरण पहला फर्ज बन जाता है। कर्नाटक इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। वहां भी जनता स्वयं को ठगा महसूस कर रही है। मध्यप्रदेश में भाजपा ने जो कार्य किया वह सामने है। सबसे खास बात यह कि भाजपा जो कहती है उसे गारंटी के साथ करती भी है। यह गांरटी जब स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देते हैं तो जनता को उस पर रत्ती भर भी शक नहीं रह जाता। क्योंकि न सिर्फ मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश की जनता श्री मोदी पर अटूट भरोसा करती है दूसरी तरफ वह कांग्रेस है जिसके साथ विश्वास का संकट है। ऐसी स्थिति में लगता नहीं कि प्रदेश के मतदाताओं को कांग्रेस अपने चुनावी मायाजाल से भ्रमित कर पाएगी।

लोकवाणी

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए इस बार का प्रचार अभियान बल्कि जनता-जनार्दन से आशीर्वाद लेने का अभियान बहुत ही खास रहा। मैं राज्य के कोने-कोने में गया, अनेकों लोगों से मिला, संवाद किया। लोगों में भाजपा के प्रति जो स्नेह है, भाजपा पर जो आस्था है, वो हमारी बहुत बड़ी पूंजी है। मध्य प्रदेश की नारीशक्ति, इस चुनाव में आगे बढ़कर भाजपा का झंडा बुलंद कर रही है। जिस तरह महिला सशक्तिकरण भाजपा की प्राथमिकता है, उसी तरह महिलाओं ने भाजपा सरकार की वापसी को अपनी प्राथमिकता बना लिया है।

नरेन्द्र मोदी

कभी प्रधानमंत्री मोदी का कट्टर विरोधी रहीं शेहला राशिद आज उनकी फैन हो गई हैं। उन्होंने फिर प्रधानमंत्री के साथ-साथ गृह मंत्री अमित शाह की जमकर तारीफ की है। शेहला राशिद ने कहा कि कश्मीर गाजा नहीं है. मोदी सरकार ने इसका राजनीतिक समाधान तलाशा और यह समाधान खूनी नहीं है. कश्मीर में मानवाधिकार रिकॉर्ड लगातार सुधर रहे हैं।

दीपक चौरसिया

प्रासंगिक

वोट डालने के पहले कृपया एक मिनट ...

विजय मनोहर तिवारी

वोटिंग का क्या महत्व है? क्या केवल एक वोट डालने की रस्म? एक वोट की क्या ताकत है? क्या केवल एक प्रतिनिधि का चुनाव? एक विधानसभा की क्या ताकत है? क्या एक पार्टी को सत्ता सौंप देना? किसी भी पार्टी को सत्ता सौंप देने के क्या अर्थ, परिणाम और दुष्परिणाम हो सकते हैं, अब तक सब प्रकार के चुनावी अनुभव जनता को हैं। सबको आजमाया गया है। कोई बचा नहीं है। किसी को सत्ता में लंबा समय भी मिला और और कोई लंबे समय तक वंचित भी रखा गया। सत्ता परिवर्तन के सब तरह के स्वाद हमने चखे हैं। एक बार पुनः निर्णय की वेला है। ये चुनाव राज्य के हैं। केंद्र की शक्तियाँ राज्य से होकर ही जनपदों तक प्रवाहित होती हैं। जब केंद्र और राज्य एक फ्रिक्वेंसी पर होते हैं तो डबल इंजन का लेबल लगता है। डबल इंजन के परिणाम भी हमारे अनुभव में हैं और विपरीत दिशा में लगे दो अलग इंजनों के अनुभव भी।

विकास एक लंबी यात्रा है, जिसमें हरेक सरकार कुछ न कुछ ईंट-गारा-पत्थर जोड़ती है। विजन साफ है, इच्छा शक्ति मजबूत है तो अल्प समय में कोई एक ही सरकार कमाल करती हुई दिख जाती है और कमजोर विजन के साथ लचर इच्छा शक्ति वाली सरकारें समय काट कर चल बसती रही हैं। वे राज्यों को बीमारू और रोता-बिलखता अपने पीछे छोड़ जाती हैं। उनके छोड़े गड्ढों को भरने में जिसने तत्परता दिखाई, जनता ने उन्हें बार-बार भी चुनकर आजमाया है। सत्ता में आकर किसी ने खाने-कमाने में दिलचस्पी ली और कोई ओवर कॉन्फिडेंस में इतराया है तो आपके ही एक वोट ने उसे बेलेट बॉक्स से लेकर ईवीएम तक टंगड़ी मारी है और मुँह के बल उन्हें गिराया है, जिनकी गर्दनें अकड़ गई थीं।

एक वोट की यही ताकत है। यह केवल रस्म अदायगी नहीं है। यही शक्ति है जो स्वतंत्रता ने आपको दी है। धैर्य और बुद्धिमत्तापूर्वक इस शक्ति के सदुपयोग की सर्वाधिक आवश्यकता आज है। मौजूदा सरकार को गिराने के जितने कारण आपके पास होंगे, विपक्ष को सत्ता में नहीं लाने के भी उतने कारण आपको मिल जाएँगे। तो दो तरह से सोचने की जरूरत है, पार्टियों से हमारी क्या अपेक्षाएँ हैं और देश को पार्टियों से क्या अपेक्षाएँ है? पार्टियाँ हमारी अपेक्षाओं पर कितना खरा उतरी हैं और देश की अपेक्षाओं पर कितना? वोट डालने के ठीक पहले वाले सेकंड तक 360 डिग्री पर इन दोनों सिरों पर सोच विचार आवश्यक है।

सत्ता में आकर पार्टियों का काम केवल विकास करना भर नहीं है। मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर की

अहमियत प्राइमरी क्लास के पेपर से ज्यादा नहीं है, जिसे हर हाल में ठीक होना ही चाहिए। वह तो करना ही है। मगर किसी भी देश की मजबूती किसी विचार और किसी दर्शन पर निर्भर करती है। विचारधाराएँ ही देश, सभ्यता और संस्कृति को एक आकार में ढालती हैं। विश्व पटल पर कोई देश किसी विचार के सहारे ही आगे बढ़ा हुआ अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है या गर्त में पड़ा रहता है। विचार महत्वपूर्ण है, दर्शन महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता का महान विचार एक दल को संघर्ष के सहारे देश की सत्ता तक लाया था और विभाजन की विभीषिका से निकलकर भारत ने आधुनिक विश्व में कदम रखा था। हर समय के अपने सवाल होते हैं। हर समय की अपनी चुनौतियाँ होती हैं। हर समय के अपने संकट होते हैं। पुरानी दवाएँ अक्सर काम नहीं आतीं। हमें नए तरीके और नए-नए विचार आजमाने ही होते हैं। हर समय की चुनौतियों के अनुसार देश को नई दिशाओं और नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए नए विचारों की आवश्यकता होती ही है। केवल संघर्ष के योगदान के सहारे कोई कब तक टिका रहता। ऐसे दिमाग दिवालिया हो चुके थे। एक्सपायरी डेट की केवल दवाएँ ही नहीं होतीं, विचार भी हो सकते हैं!

नए भारत की नई समस्याएँ थीं। नए संकट थे। नई चुनौतियाँ थीं और वे कश्मीर से लेकर अयोध्या तक पर्याप्त पसरी थीं। नीति-निर्णयों में मनमानियाँ थीं, पक्षपात थे, कमजोरियाँ थीं, सामंतवाद था, परिवारवाद था, करप्शन तो जड़ों में जाकर जम गया था। एक वोट की ताकत ने वह सड़ी-गली व्यवस्थाएँ राज्यों से लेकर केंद्र तक उलट दीं। एक नया विचार नई आशाएँ लेकर आया। भारत की जड़ों को पोषण देने का विचार और विचारों के अनुसार निर्णय लेने का साहस। केंद्र या राज्य की सत्ताओं को वह साहस हमारे-आपके एक वोट से ही मिलता है। भारत आज जिस प्रकार की वैश्विक चुनौतियों के बीच खड़ा है, उसके लिए आवश्यक है कि भारत केंद्रित एक स्पष्ट विचारधारा को जनता को जहाँ अवसर मिले, हर स्तर पर शक्ति प्रदान करे। विचारों के चुनाव की इस प्रक्रिया में व्यक्ति एक निरीह निमित्त मात्र है, जो प्रत्याशी के रूप में अवसर पा गया है। प्रत्याशी वोटर के सबसे निकट, पार्टी का जीवंत, साकार और परिचित प्रतिनिधि होता है। अगर वह पहले से चुना जाता रहा है तो उसके 'विराट रूप' के बारे में वोटरों को सब पता है। वोटर की दुविधा का वही एकमात्र कारण है। उसका विराट रूप ऐसा है कि विचार का पक्ष वोटर के लिए व्यर्थ हो सकता है। बस उसे निपटाना है, यही लक्ष्य हो सकता है। भाग्य के धनी ऐसे प्रत्याशियों को निपटना ही चाहिए, जो एक या दो अवसर मिलने पर भी जनता का विश्वास प्राप्त न कर सके हों। ये लोग जनता की नजर में तो बोझ हैं ही, पार्टियों के लिए भी बड़े बोझ बन चुके हैं। बस जनता की निगाह से उतरे हुए ऐसे नेताओं की आर्थिक क्षमता ही उनकी सफलता की कसौटी बन जाती है कि उनके आगे पार्टियाँ भी पानी भरती दिखाई देती हैं। वह अपने नेताओं को परम प्रसन्न कर सकते हैं, चुनाव का खर्चा हँसते-हँसते वहन कर सकते हैं, जीतने लायक भरपूर ताकत है, पार्टियों को और क्या चाहिए?मगर वोटर को चाहिए। वोटर को चाहिए कि वह ऐसे संवेदनशील समय में विचार को महत्व दे, व्यक्ति को नहीं। विचार की आयु दीर्घ होती है और किसी भी राष्ट्र के जीवन में वही दूर तक गति करता है। व्यक्तियों को कौन कब तक याद रखता है? एक वीडियो उनकी शान में चार चाँद भी लगा सकता है और एक ही वीडियो उनकी साख धूल में मिलाकर हमेशा के लिए हाशिए पर ले जा सकता है। वे हमेशा टिकट नहीं पाते रह सकेंगे, पा भी गए तो कभी हारेंगे भी, कभी तो मरेंगे। कितने बड़े-बड़े नेता आए और चले गए। कितनों के नामलेवा शेष हैं। विचार की सत्ता अक्षुण्ण है। वही देश को ऊर्जा और दिशा देती है। व्यक्तियों के कलपुरजे घिसते-गिरते रहते हैं!

मैं किसी पार्टी या किसी प्रत्याशी विशेष के समर्थन या विरोध में नहीं हूँ। मगर मानता हूँ कि देश जिस मोड़ पर आकर खड़ा है, उसे स्पष्ट विचार और मजबूत इच्छाशक्ति वाले विश्वसनीय नेतृत्व की पंचायत से लेकर प्रदेश और केंद्र तक सत्ता की हर कड़ी में आवश्यकता है। कम से कम स्वतंत्रता के सौ वर्ष तक भारत को इसकी आवश्यकता है। अगले 25 वर्ष देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

वोटरों को मैं कहूँगा कि वे एक मिनट संतुलित होकर विचार करें। अगर उन्हें लगता है कि किसी कम्बख्त प्रत्याशी को हराना हर हाल में आवश्यक है, इतना कि एक पल के लिए अन्य आवश्यक पक्षों को तिलांजलि दी जा सकती है तो बिना देर किए उसके विरुद्ध ही वोट करें, उसे सबक सिखाने में बिल्कुल देर न करें और पार्टियों को यह संदेश दें कि उम्मीदवार के रूप में आपने एक गलत आदमी को हमारे पास भेजा, हमें यह मंजूर नहीं था। अगर पल भर के लिए लगता है कि प्रदेश या देश के दूरगामी हित के लिए व्यक्ति से ऊपर उठकर सोचने की गुंजाइश है तो वैसा ही करना उचित है। यह जताकर वोट करें कि आपका वोट पार्टी और विचारधारा के लिए ही है, प्रत्याशी तो दो कौड़ी का दिया गया था।

पहली बार आपका यह एक वोट, दोयम दरजे के प्रत्याशियों के लिए भी एक दर्पण की तरह हो गया, जिसमें नतीजे आने तक उन्हें अपना कालिख भरा चेहरा अवश्य देखना चाहिए। अगर बुद्धि है और वह केवल धन अर्जित करने के एकसूत्रीय काम में नहीं लगी रही है तो ऐसे प्रत्याशियों को यह सचमुच आत्मदर्शन का समय है कि वे राजनीति में क्यों आए? वे यह न भूलें कि जागरूक जनता की पैनी नजर उन पर है। उनकी हर हरकत पहले से अधिक स्पष्ट रूप से देखी, सुनी और समझी जा रही है। अगर वे सत्ता दल में हैं तो उन्हें दूसरों से बहुत अधिक चौकन्ना होने की जरूरत है, क्योंकि उनसे अपेक्षाएँ भी कुछ अधिक हैं। जनता से जुड़ाव, जनहित की बेदाग राजनीति और साहसी निर्णय लेने की क्षमता उन्हें जीवन भर राजनीति में टिकाए रखेगी। वर्ना दो-एक चुनाव बाद ही वे इतिहास के कूड़ेदान में चले जाएँगे, जहाँ पहले का भी काफी कचरा जमा है। यह उन्हें तय करना है कि वे समय के अनुसार सुधरने को तैयार हैं या नहीं!

मेरी दृष्टि में विधानसभा के होकर भी ये चुनाव देश के भावी और दूरगामी हित के चुनाव हैं। पंचायत से लेकर हर विधानसभा एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण में एक मजबूत ईंट है। एक-एक सीट भूमिगत जल की उस बूंद की तरह है, जो सोर्स को रिचार्ज करती है। वोट की शक्ति का उपयोग करने से पहले हममें से कौन नहीं चाहेगा कि भारत जातिवादी जहर से मुक्त हो, भारत की जड़ों से गर्वपूर्वक जुड़ा नेतृत्व हर स्तर पर हर पार्टी में उभरे, भारत की आध्यात्मिक शक्ति की ध्वजा विश्व में फहराए, वह अंदर-बाहर आतंकी शक्तियों का साहसपूर्वक सामना कर सके, हर स्तर पर आर्थिक भ्रष्टाचार खत्म हो, प्रशासन जनहितैषी हो, एक समान कानून सबके लिए हो, एक ऐसा देश जो अपनी समस्याओं पर खुलकर बात कर सके और जब स्वतंत्रता के सौ साल का उत्सव आए तो नई पीढ़ी को उजले भविष्य के प्रति यह देश आश्वस्त कर सके। यह एक विचार है, जो देश के लिए है।

एक प्रत्याशी की भूमिका भी इसमें बड़ी है, यह उसे भी सोचना है और पसंद या नापसंद के उस प्रत्याशी से ऊपर सोचना वोटर का काम है, क्योंकि वोटर का निर्णय पूरे प्रदेश के लिए प्रभावकारी होगा, जो अंततः केंद्र की दिशा और गति दोनों में सहायक या बाधक सिद्ध होने वाला है!

(लेखक मध्यप्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त हैं)

सामयिक

समाज को जातियों में क्यों बांटना चाहती है राजनीति

रमेश शर्मा

अयोध्या सरयू तट पर दीपोत्सव का कीर्तिमान बना। लाखों लोगों ने 22.23 लाख द्वीप जलाये। उधर दक्षिण भारत स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर में दीपावली के तीन दिनों में पौने दो लाख लोग दर्शन के लिये पहुँचे। पर किसी ने किसी से जाति नहीं पूछी। यनि समाज या धर्म स्थलों में जाति का महत्व नहीं है। फिर भी कुछ राजनैतिक दल समाज में जातीय आधारित जनगणना करने पर जोर दे रहे आखिर जातीय बँटवारा करने का उद्देश्य क्या है?

इस वर्ष पाँच दिवसीय दीपावली उत्सव के समापन पर दो प्रकार के समाचार मीडिया की सुर्खियों में रहे। एक दीपावली उत्सव की समीक्षा बाजार और धर्म स्थलों की एवं दूसरी इन पांच दिनों में राजनेताओं की सभा वक्तव्य का विषय। सबसे बड़ा समाचार अयोध्या से आया। वहाँ सरयूतट पर दीपदान का विश्व कीर्तिमान बना। अयोध्या में जैसे-जैसे रामजन्म भूमि मंदिर की पूर्णता की तिथि समीप आ रही है वैसे-वैसे उत्साह नई अंगड़ाइयाँ ले रहा है। अयोध्यावासियों के इसी उत्साह ने सरयूतट पर दीपोत्सव का कीर्तिमान बनाया। पूरी अयोध्या मानो दीपदान के लिये उमड़ आई थी। लाखों परिवार पहुँचे। सबका स्वरूप एक था। सब एक-दूसरे का सहयोग करते अपना दीप प्रवाहित करते और दूसरे के दिये की जल प्रवाह यात्रा देखते हुये ये सभी दृश्य मीडिया में आये। सबसे महत्वपूर्ण बात किसी ने किसी की जाति नहीं पूछी सबने अपने दीप की लौ से दूसरे का दीप जलाने में सहयोग किया। सब एकरूप, सब समरूप थे।

दीपावली पर यह दृश्य उत्तर भारत का है। इसी दीपावली पर दक्षिण भारत में तिरूपति बालाजी मंदिर का दृश्य देखिये। वहाँ दीवाली उत्सव 11,12 और 13 नवम्बर के तीन दिन में लगभग पौने दो लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। वहाँ भी किसी ने किसी की जाति नहीं पूछी।

अयोध्या और तिरूपति बालाजी के इन दृश्यों और आंकड़ों के साथ दीपावली पर भीड़ का एक आंकड़ा और उत्तराखंड से आया। बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के साथ दर्शन करने वालों का। इस वर्ष का आकड़ा एक करोड़ के समीप पहुँचा। ये लोग देश भर से पहुँचे थे। हर भाषा के, हर बोली के और हर जाति के। सबने एक-दूसरे का सहयोग किया, ठंड के वस्त्र ही नहीं भोजन की वस्तुओं का आदान-प्रदान भी हुआ। पर किसी ने किसी से जाति नहीं पूछी। तीर्थ मार्ग कितनी दुकानें फूल प्रसाद और खाद्य पदार्थ विक्रय की थीं। भोजन सामग्री खरीदते समय पर भी किसी ने किसी की जाति नहीं पूछी। यदि तीर्थ यात्रियों से अलग हटकर पूजन भोजन सामग्री विक्रेताओं की बात करें तो उनमें हर समाज और हर जाति के लोग हैं। जाति ही नहीं अन्य धर्मावलंबी दुकानदार भी थे। पर किसी को किसी से कोई परहेज न था। एक आस्था के साथ, एक भाव के साथ सब लोग पहुँचे थे और उसी के साथ लौटे। यह है भारत के समाज जीवन का समरस स्वरूप जिसके दर्शन सदैव होते हैं और इस दीपावली पर भी हुये।

तब प्रश्न उठता है कि यदि भारतीय समाज समरस है तो यह जातीय विवरण पर कौन जोर दे रहा है। यह प्रचार अभियान इस सीमा तक आ गया है कि यदि व्यक्तिगत अपराध की कोई घटना घटी तो उसे जाति से जोड़कर समाज में दूरियाँ बनाने का प्रयास होता है। हाल ही एक सभा में एक नेता ने मध्यप्रदेश के संदर्भ में यह आकड़े भी बताये कि किस जाति के सबसे कम अफसर हैं। प्रश्न यह नहीं है कि नेता जी ने जो आकड़े बताये और सोशल मीडिया पर जो आकड़े प्रचारित किये जा रहे हैं उनका स्रोत कितना वैधानिक है और वे कितने सत्य हैं पर इससे समाज जीवन में एक अदृश्य विभाजन रेखा तो आकार लेने लगी है। हर व्यक्ति के मन में यह बिठाने का प्रयास हो रहा है कि उसकी जाति की उपेक्षा हुई है, विकास के जो अवसर मिलना चाहिए थे वे नहीं मिले और इसका कारण जातीय आधारित जनगणना न होना है।

यूँ तो यह वातावरण पूरे देश में बनाने का प्रयास हो रहा है पर उन पाँच राज्यों में प्रचार अधिक है जहाँ विधानसभा चुनाव चल रहे हैं। इनमें तीन हिन्दी भाषी राज्य हैं। ये तीन राज्य मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान हैं। जातीय जनगणना की महत्ता इन तीन राज्यों में अधिक समझाई जा रही है। मीडिया ने तो इससे एक कदम आगे बढ़कर समीक्षा कर डाली। जो विवरण दिये उनमें जाति ही नहीं उपजाति और उपजाति की भी उपजाति के आकड़े दे दिये।

निःसंदेह कुछ राजनैतिक दलों का यह जातीय स्वरूप पर जोर देना और दीपावली पर स्पष्ट हुये भारतीय समाज जीवन का स्वरूप दोनों की मूल पिण्ड में अंतर है। समाज समरस रहना चाहता है और राजनीति समाज को जातियों में विभाजित करना चाहती है। किसी भी परिवार, समाज और राष्ट्र का सशक्तिकरण सदैव समरस एवं संगठित स्वरूप से होता है। विभाजन से परिवार और समाज ऊँचाई के रास्ते पर कभी नहीं जाता। विभाजन का यह सूत्र ही अंग्रेजी शासन की शक्ति था। 'डिवाइड एण्ड रूल'। विभाजन के विदेशी षड्यंत्रों के चलते भारत ने कितनी त्रासदियाँ झेली हैं। उनका विवरण इतिहास के पन्नों में भरा पड़ा है। फिर भी कुछ राजनैतिक शक्तियाँ भारतीय समाज में जातीय विभाजन का एजेण्डा चला रहीं हैं। सामाजिक विभाजन की इस राजनीति के पीछे कौन है और यह किसका हित संवर्धन करेगी? इस प्रश्न का उत्तर भविष्य के गर्भ में है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

वोकल फॉर लोकल

चीन के कब्जे से मुक्त होते भारतीय बाजार

नीरज कुमार दुबे

मोदी की अपीलें क्या और कितना असर करती हैं इसका उदाहरण अगर देखें तो प्रधानमंत्री ने रक्षा बंधन से पहले 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिये लोगों को वोकल फॉर लोकल मंत्र की याद दिलाई तो बाजार से चीनी राखियां गायब हो गयीं और हर ग्राहक सिर्फ भारतीय राखियां मांग रहा था। देश हमारा, धर्म हमारा, देवी-देवता हमारे और पर्व-त्योहार हमारे तो पैसा चीन क्यों कमाए? यह सवाल हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हाल के वर्षों तक भारतीय बाजारों में देखने को मिलता था कि खिलौने से लेकर मोबाइल तक, पर्वों-त्योहारों पर मूर्तियों से लेकर मिट्टी के दीये और अन्य सजावटी सामान तक, डाइपर से लेकर वाइपर तक, टीवी से लेकर कम्प्यूटर तक... सबकुछ मेड इन चाइना मिला करता था। ऐसे में भारतीय व्यापारियों का माल नहीं बिक पाने से उनको तो नुकसान होता ही था साथ ही भारतीय सामान की मांग नहीं होने के चलते श्रमिकों को भी काम नहीं मिलता था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने का अभियान छेड़ते हुए 'वोकल फॉर लोकल' की जो अपील की वह देखते ही देखते एक बड़ा जन-आंदोलन बन गया। सरकारी समर्थन के चलते स्वरोजगार की राह पर भारतीय इतना आगे बढ़ गये कि ऐसे तमाम उत्पाद भारत में ही बनने लगे जोकि कल तक चीन से आयात किये जाते थे। कम लागत और उच्च गुणवत्ता के चलते भारतीय उत्पाद देसी बाजारों के अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी छाने लगे गये हैं। भारतीय बाजारों से जिस तेजी से चीनी माल गायब होता जा रहा है उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि मोदी ने भारतीय बाजारों से

चीन का कब्जा समाप्त करने में सफलता पाई है।

आप चाहे शहरों की बात कर लें या गांवों की, हर जगह यही देखने को मिलेगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'वोकल फॉर लोकल' और 'मेड फॉर ग्लोबल' या 'मेक फॉर वर्ल्ड' जैसी अपीलें सुपरहिट साबित हुई हैं। आज दीपावली पर जिस तरह ऑनलाइन बिक्री मंचों से लेकर बड़े-बड़े मॉलों, सुपरमार्केटों और स्थानीय दुकानों तक पर सिर्फ और सिर्फ मेड इन इंडिया उत्पादों की मांग है उसने मोदी को वोकल फॉर लोकल अभियान के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी स्थापित कर दिया है। यह मोदी के नेतृत्व का ही कमाल है कि उन्होंने भारतीयों में आत्मनिर्भर बनने का ऐसा उत्साह जगा दिया है कि युवाओं में स्टार्टअप खोलने या अपना व्यवसाय खड़ा करने की होड़ लग गयी है। वोकल फॉर लोकल अभियान की सफलता दर्शाती है कि मोदी भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनका दिया हर नारा लोगों के बीच असर करता है, मोदी भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो हर भारतीय को एक उद्यमी के रूप में देखना चाहते हैं और इसके लिए लोगों को प्रोत्साहित भी करते हैं।

नवरात्रि और दीपावली से पहले देश में कारोबार को गति देने के लिए प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में एक बार फिर वोकल फॉर लोकल की याद दिलाई तो चाहे ऑनलाइन सेल हो या स्थानीय बाजारों की महासेल, सभी जगह सिर्फ और सिर्फ भारतीय सामान की ही मांग रही। मोदी चूंकि कुशल संगठनकर्ता भी हैं इसलिए वह अपने हर अभियान से बड़ी संख्या में लोगों को जोड़ना भी जानते हैं। जैसे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के जरिये उन्होंने पूरी दुनिया को योग से जोड़ दिया। इसी प्रकार वोकल फॉर लोकल अभियान से हर भारतीय को जोड़ने के लिए उन्होंने इस दीवाली पर स्थानीय स्तर पर विनिर्मित उत्पाद खरीदने और उस उत्पाद या उसके निर्माता के साथ एक सेल्फी 'नमो ऐप' पर साझा करने का आह्वान किया जोकि सुपरहिट तो रहा ही साथ ही इसने किसी एक अभियान के दौरान सेल्फी लेने का नया रिकॉर्ड भी बना दिया। साथ ही स्थानीय विनिर्माताओं को जो आर्थिक लाभ हुआ सो अलग है। यही नहीं, प्रधानमंत्री सभी से यह अपील भी करते हैं कि आप जब भी घूमने या तीर्थयात्रा पर जाएं तब स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पाद जरूर खरीदें। प्रधानमंत्री लोगों से लेन-देन के दौरान यूपीआई डिजिटल भुगतान प्रणाली का अधिक इस्तेमाल करने का आग्रह भी करते हैं क्योंकि एक तो ऑनलाइन भुगतान प्रणाली सरल है, दूसरा इससे हर प्रकार की वित्तीय पारदर्शिता भी बनी रहती है। बहरहाल, दीपावली पर कारोबारी जगत के रिकॉर्ड बनाते आंकड़ों को देखकर और वोकल फॉर लोकल अभियान को मिले भारी जन समर्थन को देखकर प्रधानमंत्री के आलोचक भी प्रभावित दिख रहे हैं और भले घुमा-फिराकर ही सही, वह भी इसकी अपार सफलता को स्वीकार कर रहे हैं।

(लेखक स्तंभकार हैं)

पर्व

हमारी लोक संस्कृति और लोक परंपरा का पर्व

रंगनाथ द्विवेदी

हमारा देश विभिन्न पर्वों और त्योहारों का एक वृहद देश है और ऐसे में जब हम देश के प्रमुख पर्वों की बात करते हैं उनमें से एक प्रमुख पर्व बिहार का छठ पर्व भी है। जो कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। हमारे ज्यादातर पर्व विभिन्न संस्कृति और संस्कार के साथ ही हमें अपनी प्रकृति से भी जुड़े रहने का संदेश देते हैं। यह मुख्य रूप से सूर्य उपासना का व्रत है जिसमें व्रती महिलाएं सूर्य, प्रकृति, जल, वायु के साथ ही भगवान भास्कर अर्थात सूर्य की बहन छठी मैया की उपासना करती हैं।

यह व्रत केवल बिहार ही नहीं बल्कि झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश, नेपाल, मिथिलांचल के साथ ही साथ पूरे

भारत क्या पूरे विश्व में मनाए जाने वाला प्रमुख पर्व बन चुका है क्योंकि आज पूरा विश्व एक गांव में तब्दील हो चुका है। खासकर इस ग्लोबलाइजेशन के दौर में कोई भी पर्व, व्रत या त्योहार किसी राज्य विशेष या देश विशेष का पर्व नहीं रह गया है। इस पर्व को कुछ राज्यों में अलग-अलग नाम से भी मनाया जाता है, जैसे मिथिलांचल में इस पर्व को रनबे माय,भोजपुरी में सविता माई, और पश्चिम बंगाल में रनबे ठाकुर नाम से बुलाया जाता है। इस पर्व में हम मां पार्वती के छठवे रुप यानि भगवान सूर्य की बहन छठी मैया की पूजा अर्चना और व्रत करते हैं।

पश्चिम बंगाल में यह काली पूजा के चंद्र दर्शन के छठवें दिन बाद मनाया जाता है। मिथिला में तो छठ के दौरान वहां की व्रती महिलाएं अपने यहां की शुद्ध पारंपरिक संस्कृति को दर्शाने के लिए बिना सिलाई के शुद्ध सूती धोती पहनती हैं। इस व्रत को मुख्य रूप से महिलाएं ही रखती हैं लेकिन कभी-कभी देखा गया है कि महिलाओं के स्वास्थ्य या किसी अन्य शारीरिक समस्या की स्थिति में उनके पति के द्वारा भी इस व्रत को रखा जाता है हालांकि यह अन्य किसी व्रत या पर्व से थोड़ा सा कठिन व्रत है जो कि पूरे चार दिन तक चलता है। इस व्रत में पवित्र स्नान, उपवास, पीने के पानी से दूर रहना, काफी देर तक नदी के ठंडे पानी में खड़े रहना, भगवान भास्कर अर्थात निकलते हुए सूर्य को अर्घ्य देना शामिल हैं। इस पर्व की अद्भुत और निराली छटा देखते ही बनती हैं।ऐसा लगता है कि,जैसे धरती पर समस्त देवलोक उतर आया हो छठ पर्व हमारे देश में कुछ वर्षो से मनाए जाने वाला कोई आम पर्व नहीं है बल्कि यह वैदिक काल से चला आ रहा एक महापर्व हैं। इस पर्व का वर्णन हमारे ऋषियों और महर्षियों के द्वारा लिखे गए विभिन्न वेदों में भी मिलता है खासकर 'ऋग्वेद'में सूर्य पूजन और ऊषा पूजन का जिक्र है, इस व्रत में जब व्रती महिलाओं के साथ उनके पति अपने सिर पर व्रत की दौरी रखे हुए आगे-आगे चलते हैं और उनके पीछे उनकी औरतें यह गाते हुए चलती हैं कि 'बहंगी लचकत जाए' तो ऐसा लगता है कि जैसे हमारे कानों में कोई मधुर वेद मंत्र गूंज रहा हो।

जनमानस — मतदान हमारा अधिकार

सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो... यह नारा हम न जाने कब से सुनते आ रहे हैं लेकिन इसके बाद भी कुछ लोग अकारण ही मतदान नहीं करते हैं। जबकि हमारा एक-एक मत बहुत कीमती होता है। हलांकि अब लोग जागरुक हो रहे हैं और मतदान के महत्व को समझ रहे हैं।

पांच साल में होने वाले चुनाव में आपको अपना वोट (मत) देने का जो अधिकार मिलता है उसका उपयोग कीजिए क्योंकि मतदान करना न सिर्फ हमारा अधिकार है बल्कि लोकतंत्र में हमारी भूमिका को भी सिद्ध करता है।

हम सबको चाहिए कि हम स्वयं भी मतदान के प्रति जागरुक रहें और दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें।

अशोक शिरढोणकर, ग्वालियर

मतदान करना हमारा अधिकार है और हम सभी को अपने अधिकार का उपयोग करना ही चाहिए। पहले की अपेक्षा अब मतदान प्रतिशत बढ़ा है। लोगों में मतदान के प्रति जागरुकता आयी है। धीरे-धीरे ही सही पर लोग मतदान के महत्व को समझ रहे हैं। लेकिन मतदान भी सोच समझ कर करना चाहिए। कई बार हम दूसरों के कहने सुनने पर किसी को भी मत दे देते हैं। जबकि हमारे पास उस प्रत्याथी या संबंधित दल के द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी होनी चाहिए। दूसरा हम सभी का एक ही लक्ष्य होना चाहिए देश का विकास। हम सभी को पिछले सालों में देश में क्या-क्या विकास हुआ उसे समाज को क्या लाभ हुआ मतदान से पूर्व इस पर विचार करना चाहिए।

आरती जैन, ग्वालियर

22 वीं एशियन मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बीकानेर के सलीम बेग ने जीता स्वर्ण पदक

रुद्रांश दर्पण-बीकानेर

22 वीं एशियन मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए बीकानेर के सेवानिवृत कार्मिक सलीम बेग ने 70 प्लस आयु वर्ग में 4 *400 मीटर रिले रेस में गोल्ड तथा 4*100 मीटर रिले रेस में ब्रोंज मेडल हासिल किया। फिलिपींस की न्यू स्टार सिटी में 8 से 12 नवंबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग में बेग, रतन सिंह, रामप्रकाश ने भारत का प्रतिनिधित्व किया और मेडल हासिल किये।

60 + आयु वर्ग में रतनसिंह शिवरान ने तार गोला फेंक में कांस्य पदक हासिल किया। 45 प्लस आयु वर्ग में पैदल चाल में राम प्रकाश ने गोल्ड मेडल हासिल किया।

विजेताओं की उपलब्धि पर जिला निर्वाचन अधिकारी और जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने शुभकामनाएं दी और कहा कि इस आयु वर्ग में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक हासिल करने से देश में युवा पीढ़ी को भी खेल क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी.

डाक मत पत्र हेतु पात्र मतदाताओं के लिए सुविधा केंद्रों की स्थापना, चुनाव मतदान दल, पुलिस व अन्य नियोजित कार्मिकों को इन केंद्रों पर आकर डालने होंगे वोट

रुद्रांश दर्पण-बीकानेर

विधानसभा आम चुनाव 2023 के मतदान दल कार्मिकों, पुलिस कार्मिकों, सेक्टर अधिकारियों सहित नियोजित अन्य कार्मिकों को सुविधा केंद्रों में जाकर डाक मत पत्र के माध्यम से मतदान करना होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि मतदान प्रक्रिया संपादित करने में नियोजित गए किए गए समस्त कार्मिकों के लिए डाक मत पत्रों के माध्यम से वोट हेतु फैसिलिटेशन सेंटर स्थापित किए गए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त मतदान दल कार्मिकों, पुलिस व अन्य कार्मिकों को इन केंद्रों पर पहुंच कर अपना मत डालने के निर्देश दिए हैं।

भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि जिला स्तर पर राजकीय डूंगर महाविद्यालय बीकानेर के कमरा नंबर 9 में फैसिलिटेशन सेंटर स्थापित किया गया है। यहां 14 नवंबर से 20 नवंबर तक मतदान दलों में नियोजित कार्मिकों द्वारा वोट डाले जाएंगे। वोट डालने का समय प्रातः 9:30 बजे से सायं 6 बजे तक रहेगा। इसी प्रकार पुलिस कार्मिकों के लिए 17 और 18 नवंबर को पुलिस लाईन बीकानेर में फैसिलिटेशन सेंटर स्थापित किया गया है। यहां 9.30 से सायं 6 बजे तक संबंधित कार्मिकों द्वारा वोट डाले जाएंगे। 22 नवंबर से 24 नवंबर तक सभी विधानसभा क्षेत्रों में रिटर्निंग अधिकारी स्तर पर भी एक सुविधा केंद्र कार्य करेगा जहां सेक्टर अधिकारी, आर ओ स्टाफ सहित चुनाव प्रक्रिया में नियोजित अन्य पात्र कार्मिक मतदान कर सकेंगे।

मतदान दल रवानगी के दिन भी 24 नवंबर को भी सुविधा केंद्र बनाया गया है, जहां से भी डाक मतपत्र द्वारा वोटिंग सुविधा रहेगी।

लखीमपुर-खीरी में आज से खुलेगा दुधवा नेशनल पार्क :

पार्क और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए एडवाइजरी

रुद्रांश दर्पण-नोएडा

लखीमपुर खीरी में दुधवा नेशनल पार्क 15 नवंबर से पर्यटकों के लिए खुल रहा है। पार्क और पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पहली बार वन विभाग के साथ एसपी की ओर से एडवाइजरी जारी की गई है। दुधवा में असलहा लेकर जाने, पैदल घूमने पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है। पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा द्वारा दुधवा राष्ट्रीय उद्यान का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दधुवा राष्ट्रीय उद्यान सैलानियों के लिए खोला जा रहा है। पुलिस विभाग एवं वन विभाग द्वारा समन्वय स्थापित करते हुए आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। सुगम पर्यटन के लिए निम्न प्रयास किये गए हैं। थाना पलिया की बंशीनगर चौकी पर एक कंट्रोल रूम स्थापित किया जायेगा, जहां वन-क्षेत्र में सम्पर्क स्थापित करने के लिए वायरलेस फ्रीक्वेंसी के माध्यम से संचार व्यवस्था सदृढ़ की जाएगी। पुलिस विभाग द्वारा लाइजिनिंग ऑफीसर भी तैनात किया गया है। जिनके द्वारा दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के कंट्रोल रूम से सामान्य स्थापित किया जाएगा।

मतदान दलों का द्वितीय प्रशिक्षण 16 नवंबर से 20 नवंबर तक

रुद्रांश दर्पण- दौसा

जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने बताया कि विधानसभा आम चुनाव 2023 में मतदान दलों का द्वितीय प्रशिक्षण 16 नवंबर से 20 नवंबर तक विधानसभा वार पंडित नवल किशोर शर्मा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दौसा में आयोजित किया जाएगा।

उन्होने बताया कि 16 नवंबर को बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र के मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण 18 कक्षों में आयोजित किया जाएगा। जिसमें कुल 283 मतदान दलों के 1132 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। 17 नवंबर को महुआ विधानसभा क्षेत्र के 275 मतदान दलों के 1100 मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा वहीं 18 नवंबर को सिकराय विधानसभा क्षेत्र के 316 मतदान दलों के 1264 मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। 19 नवंबर को दौसा विधानसभा क्षेत्र के 281 मतदान दलों के 1124 मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा तथा 20 नवंबर को लालसोट विधानसभा क्षेत्र के 313 मतदान दलों के 1252 मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार 16 से 20 नवम्बर तक कुल 1468 मतदान दलों के 5872 मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक प्रदान किया जाएगा।

उन्होने बताया कि प्रशिक्षण में मॉक पोल, ईवीएम हैंडलिंग, ईवीएम सीलिंग, विभिन्न प्रपत्रों को भरने सहित सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया की गहन जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही चुनाव में नियुक्त कार्मिकों हेतु डाकमत पत्र से मतदान के लिए सुविधा केंद्र भी स्थापित किये गए हैं जहां निर्धारित समय में कार्मिक अपना मतदान विहित प्रक्रिया द्वारा कर सकेंगे। चुनाव प्रक्रिया में नियुक्त किसी भी कार्मिक की प्रशिक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं कि जाएगी, सभी मतदान अधिकारी गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त कर त्रुटि रहित मतदान के लिए तत्पर रहें। प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले मतदान अधिकारियों के खिलाफ लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

महिला मतदान केन्द्रों के लिए महिला मतदान अधिकारियों का किया द्वितीय मेन्युअल रेण्डमाइजेशन

रुद्रांश दर्पण- झालावाड़

विधानसभा चुनाव 2023 के तहत बुधवार को महिलाओं द्वारा संचालित मतदान केन्द्रों के मतदान अधिकारियों का द्वितीय मेन्युअल रेण्डमाइजेशन भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक आईएएस श्री श्रीकांत बनोठ तथा आईएएस श्रीमती एम. विजयलक्ष्मी की उपस्थिति में मिनी सचिवालय के सभागार में किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला कलक्टर) आलोक रंजन ने बताया कि जिले में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में आठ-आठ महिला मतदान केन्द्र बनाए गए हैं जहां केवल महिला मतदानकर्मी ही होंगी। इसके लिए 32 महिला मतदान केन्द्रों एवं 65 महिला मतदान दलों के लिए 260 महिला कार्मिकों का डेटाबेस तैयार कर उन्हें प्रथम प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि द्वितीय मेन्युअल रेण्डमाइजेशन के तहत विधानसभा क्षेत्र डग के भवानीमण्डी में 5 मतदान केन्द्र के लिए 10 व पचपहाड़ में 3 मतदान केन्द्र के लिए 6 मतदान दल नियुक्त किए गए हैं।

वहीं विधानसभा क्षेत्र झालरापाटन में 8 मतदान केन्द्रों के लिए 17 मतदान दल, विधानसभा क्षेत्र खानपुर में 8 मतदान केन्द्रों के लिए 16 मतदान दल तथा विधानसभा क्षेत्र मनोहरथाना में मनोहरथाना के 2 मतदान केन्द्रों के लिए 4 व अकलेरा के 6 मतदान केन्द्रों के लिए 12 मतदान दल नियुक्त किए गए हैं। इस प्रकार चारों विधानसभा क्षेत्रों के 32 महिला मतदान केन्द्रों के लिए कुल 65 मतदान दलों का रेण्डमाइजेशन किया गया।

इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी (अतिरिक्त जिला कलक्टर) नरेश कुमार मालव, स्वीप प्रभारी व जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेन्द्र सिंह पुरोहित सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पर्यवेक्षक ने लिया होम वोटिंग चैक पोस्ट एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा

रुद्रांश दर्पण-धौलपुर

विधानसभा बाडी एवं बसेडी के लिए नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक इन्द्रेश्वर कलिता (आई.ए.एस.) द्वारा बाड़ी विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत अन्तर्राज्यीय चेक पोस्ट बसई नबाब पुलिस चौकी पर निरीक्षण किया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । उन्होंने नगला खरगपुर के ग्राम नगरिया में 80 वर्ष से अधिक एवं दिव्यांग मतदाताओं द्वारा बुधवार 15 नवम्बर को किये गये मतदान होम वोटिंग व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों की होम वोटिंग में सम्मान और गोपनीयता के साथ मतदान कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों की होम वोटिंग भारत निर्वाचन आयोग का एक नवाचार है, इसमें सभी दिव्यांगों एवं वरिष्ठ नागरिकों से समुचित प्रक्रिया का पालन करते हुए मतदान संपन्न करवाया जाना है। इसमें मतदान दलों एवं चिन्हित मतदाताओं का सहयोग करें और इस प्रकार मतदाताओं से पहले ही संपर्क करें कि कोई मतदाता मतदान से वंचित नहीं रहे।

बाड़ी विधानसभा के क्रिटीकल मतदान केन्द्र मालौनी पंवार के अतिरिक्त ग्राम लुधपुरा, नन्दपुरा, चन्दूपुरा, पूठपुरा एवं नया नगला का निरीक्षण किया एवं विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर निर्वाचन कार्य मे लगे अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

होम वोटिंग के दूसरे दिन 381 पात्र मतदाताओं ने घर से डाले वोट

रुद्रांश दर्पण- झालावाड़

विधानसभा चुनाव 2023 के तहत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नवाचार के रूप में 80 वर्ष से अधिक आयु एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं के लिए प्रारंभ की गई होम वोटिंग की सुविधा के दूसरे दिन जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 381 पात्र मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट के माध्यम से वोट डाले।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी (अतिरिक्त जिला कलक्टर) नरेश कुमार मालव ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र डग में 136, झालरापाटन में 106, खानपुर में 57 तथा विधानसभा क्षेत्र मनोहरथाना में 82 पात्र मतदाताओं ने अपने वोट का उपयोग किया।

दौसा

विधानसभा चुनाव 2023 के मध्य नजर रखते हुए बुधवार को जिला कलेक्टर कमर चौधरी व जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा द्वारा संपूर्ण जाले के साथ कस्बा रामगढ़ पचवारा, सोनड व लवाण मे पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया तथा शांतिपूर्ण मतदान के लिए फ्लैग मार्च किया गया।

पर्यवेक्षक ने स्ट्रांग रूम का लिया जायजा

रुद्रांश दर्पण-बीकानेर

विधानसभा आम चुनाव 2023 के तहत केन्द्रीय चुनाव आयोग के पर्यवेक्षक भूपेश चौधरी ने बुधवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज में नोखा विधानसभा क्षेत्र के स्ट्रोंग रूम का जायजा लिया।

चौधरी ने नोखा विधानसभा क्षेत्र की ईवीएम मशीनों के रेण्डोमाइजेशन उपरांत कमिशनिंग प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने केन्द्रीय चुनाव आयोग द्वारा आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से दिए गए निदेर्शों की पालना में नोखा रिटर्निंग अधिकारी रमेश देव से क्षेत्र में कानून व्यवस्था एवं आदर्श आचार संहिता की अनुपालना पर विस्तृत जानकारी ली। साथ ही नोखा विधानसभा क्षेत्र में चल रहे होम वोटिंग की प्रगति जानी तथा व्यवस्थाओं को माकूल रखने के निर्देश दिए।

प्रार्थना पत्र

सेवा में,
श्रीमान थानाप्रभारी महोदय
थाना- कलान, शाहजहाँपुर

विषयः- प्रार्थना पत्र बाबत वन विभाग की 5000 बीघा जमीन पर विपक्षीगण द्वारा अवैध कब्जा छुड़ाकर दंडित करने हेतु कार्यवाहीः-

संदभ:- प्रार्थी की दस्ती प्रार्थना पत्र उपरोक्त विषय के तहत श्रीमान तहसील दिवस व थाना में दो बार प्रार्थना पत्र दिये है।

महोदय,

निवेदन यह है कि आपको अवगत कराना है कि वन विभाग की करीब 5000 बीघा जमीन मे है। जिस पर गाँव के ही विजेंद्र पुत्र सरनाम, नन्हें पुत्र विजेंद्र, उपेंद्र पुत्र विजेंद्र, भूपाल पुत्र रामरहीश, सर्वेश व मनोज पुत्रगण अविताख सिंह वह लोग ग्राम भैसार थाना कलान शाहजहाँपुर के है। तथा शेष लोग राजेंद्र पुत्र अगर सिंह. सत्यराम पुत्र अमर सिंह, जोगेन्द्र पुत्र अमर सिंह, रघुवीर पुत्र रामविलास मुकेश पुत्र रामविलास गपाल पुत्र हरीराम, अशोक पुत्र हरीराम नानक पुत्र चन्द्रपाल, पिंटू पुत्र चन्द्रपाल, कलेक्टर पुत्र महाराम, विकेश पुत्र कलेक्टर, बृजभान पुत्र केदार, यह सब लोग ग्राम खेतननगला बदायूँ के रहने वाले है तथा जाती के यादव है। श्रीमान जी राजेंद्र पुत्र अमर सिंह व रघुवीर पुत्र विलास खेतननगला बदायूँ यह लोग 1302 हत्या में अपील पर चल रहे है। इस संबंध में हस्ताक्षरकर्ता ग्राम प्रधान ने थाना व तहसील दिवस में संबन्धित अधिकारी को प्रार्थना पत्र दिये जिस पर कानूनी कार्यवाही होर विपक्षीगणो से अवैध कब्जा वन विभाग छुड़ाया जाना व सभी को जेल भेजना था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। समस्या जैसी की तैसी बनी हुई है। वन वियभ्ग की जमीन से 1000 गाय पल रही थी लेकिन विपक्षीगण के द्वारा अवैध कब्जा कर जुतवा लेने से गाय भी हैरान व परेशान है और भूखी मर रही है। यह जमीन गाटा सं0 1578 की है जिसकी नाप हो चुकी है 18 लोगो पर मुकद्दमा लिखा जा चुका है फिर भी जमीन कब्जामुक्त नहीं हो प रही है। ऐसी स्थिति को देखते हुए वन विभाग की उपरोक्त आराजी से विपक्षीगण के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही करने हुए वन विभाग की जमीन से अवैध कब्जा छुड़ाया जाना व दंडित करना आप श्रीमान जी के द्वारा न्यायसंगत है। जिसके लिए प्रार्थना पत्र आपको दे रहा है।

अतः प्रार्थना पत्र को देखते हुए हस्ताक्षरकर्ता की प्रार्थना है कि वन विभाग की जमीन 5000 बीघा पर अवैध कब्जा करने वालों के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाकर वन विभाग की जमीन खाली अरवाकर दंडित करने की कृपा करे ताकि अगली कार्यवाही को टाला जा सके। आपका सहयोग प्रार्थनीय है। आपाका सहयोग जनहित व न्यायहित मे प्रार्थनीय है ।

दिनांकः 15/11/2023.

भवदीय,
धर्मवीर(ग्राम प्रधान)
ग्राम -पंचायत छिद्कुरी
थाना- कलान, शाहजहापुर
मो. 8127238330

बालोद । सामान्य प्रेक्षक श्री केशवेंद्र कुमार, पुलिस प्रेक्षक श्री दिवाकर शर्मा, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुलदीप शर्मा और पुलिस अधीक्षक श्री जितेंद्र कुमार यादव ने आज लाईवलीहुड कॉलेज पाकुरभाट स्थित स्ट्रांग रूम में पहुँचकर निर्वाचन कार्य से जुड़े अंतिम तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बालोद । सामान्य प्रेक्षक श्री केशवेन्द्र कुमार, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुलदीप शर्मा की उपस्थिति में मतदान दल के अधिकारी-कर्मचारियों का विधानसभावार आबंटन हेतु आज तृतीय एवं अंतिम रेंण्डमाइजेशन की प्रक्रिया हुई पूर्ण। संयुक्त जिला कार्यालय बालोद के एनआईसी कक्ष में कम्प्यूटरीकृत प्रणाली के माध्यम से रेंण्डमाइजेशन की प्रक्रिया पूरी की गई।

मतदान सामग्री वितरण/वापसी की तैयारी पूरी

धमतरी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ऋतुराज रघुवंशी की उपस्थिति में मतदान सामग्री वितरण/वापसी का ड्राई रन हुआ। श्री रघुवंशी ने विधान सभावार ईवीएम वितरण स्टॉल की जानकारी ली तथा रूट मैप के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

धमतरी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ऋतुराज रघुवंशी ने मतदान के पूर्व नोडल और रिटर्निंग अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक। विधानसभा निर्वाचन के कार्य को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्विघ्न रूप से संपन्न कराने हेतु सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के दिए निर्देश।

रायपुर। विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत जिले में 17 नवम्बर को मतदान होना है। शहर में कानून व्यवस्था के मददेनजर सुरक्षा बलों द्वारा फ्लैग मार्च किया गया। इसमें कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे सहित एसएसपी श्री प्रशांत अग्रवाल अपर कलेक्टर श्री एन.आर साहू तथा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। यह पुलिस ग्राउंड से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस पुलिस ग्राउंड में ही समाप्त हुआ।

भारत निर्वाचन आयोग के विशेष प्रेक्षक पहुंचे रायगढ़, निर्वाचन तैयारियों की ली जानकारी

पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थित मतदान केंद्र का किया निरीक्षण

रायगढ़ । विधान सभा आम निर्वाचन-2023 के मद्देनजर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त विशेष प्रेक्षक श्री धर्मेन्द्र एस गंगवार, विशेष पुलिस प्रेक्षक श्री अनिल कुमार शर्मा, विशेष प्रेक्षक श्री राजेश टूटेजा, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले एवं कमांडेट चतुर्थ बटालियन रायपुर एवं लाईजनिंग ऑफिसर श्री सूरज सिंह परिहार रायगढ़ पहुंचे। उन्होंने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विधान सभा निर्वाचन तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर जनरल ऑब्जर्वर आईएएस डॉ.रूपांजलि कार्तिक, आईएएस श्री सी.एन.लोंगफाई, आईएएस श्री ससीम कुमार बरई, व्यय प्रेक्षक श्री आईआरएस ओमप्रकाश, आईए एंड एएस श्री पी.सुगेन्द्रन, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कातिर्केया गोयल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सदानंद कुमार, सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्दर यादव, अपर कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े एवं अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजीव कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे।

विशेष प्रेक्षकों ने बैठक में निर्वाचन के तहत 72 घंटे पूर्व किए गए कार्यो के साथ मल्टी पोलिंग बूथ के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि ऐसे स्थानों में क्राउड मैनेजमेंट अति आवश्यक है, जिससे संबंधित मतदाताओं को उनके बूथ के बारे में जानकारी मिल सके। इसके साथ ही तीव्र वोटिंग टर्न आउट के लिए प्लान बनाए। साथ ही ऐसे मतदान केन्द्रों में विजिट करते हुए मूलभुत सुविधाएं सुनिश्चित करें। इसके साथ ही निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं के लिए सुविधाएं सुनिश्चित की जाए।

विशेष प्रेक्षक श्री धर्मेन्द्र एस गंगवार ने विधान सभावार लो वोटिंग प्रतिशत के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर श्री गोयल ने बताया कि अधिकतर औद्योगिक क्षेत्रों में वोटिंग प्रतिशत कम है, जिसको बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्वीप गतिविधियों के साथ ही इंडस्ट्रियल कैप्टन बनाया गया था और मतदान के लिए उन्हें प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ ही बच्चों द्वारा अपने पालकों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु पत्र लिखा गया है। इसके साथ ही स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित किया जा रहा है। विशेष प्रेक्षक द्वारा सुरक्षा के संबंध में जानकारी ली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सदानंद कुमार ने बताया कि जिले में विधानसभा वार स्थैतिक निगरानी दल, फ्लाईंग स्क्वाड टीम कार्य कर रही है। जिनके साथ अर्ध-सैनिक बल के जवान भी तैनात है। इसके साथ ही चिन्हांकित शेडो एरिया में कम्युनिकेशन बनाए रखने के लिए कायर्योजना बनायी गयी है। इस दौरान उन्होंने जिले में किए गए सीजर कार्यवाही की जानकारी लेते हुए आबकारी विभाग को चेक पोस्ट की सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही एफएसटी के साथ जिले के मदिरा दुकानों को फिजिकल वेरीफाई कर बंद करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के लिए नियुक्त जनरल आब्जर्वर एवं व्यय प्रेक्षकों से कायी के संबंध में भी फीडबैक लिए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने कहा कि 17 नवम्बर को मतदान होना है। उन्होंने जिला प्रशासन को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने वोटिंग प्रतिशत की जानकारी प्रदान करने में होने वाली समस्या से अवगत कराते हुए माईक्रो आब्जर्वर को इसके संबंध में ट्रायल देने को कहा।

पालीटेक्निक में बने मतदान केन्द्र का किया निरीक्षणः भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त विशेष प्रेक्षकों द्वारा रायगढ़ के पालीटेक्निक कालेज में बने मतदान केन्द्र का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने उपस्थित बीएलओ से चर्चा करते हुए मतदाता पची वितरण एवं केन्द्र के वोटिंग प्रतिशत की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने संगवारी, आदर्श एवं सामान्य मतदान केन्द्र का निरीक्षण करते हुए सभी मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली।

स्वीप गतिविधियों का किया अवलोकन, मतदान के लिए किए अपीलः मतदाता जागरूकता हेतु कलेक्टोरेट परिसर में स्वीप गतिविधियों का आयोजन किया गया था। जिसके तहत अब तक जिले में किए गए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का कोलार्ज पोस्टर, बैनर तैयार किया गया था। इसी तरह परिसर में चुनई चिरई रंगोली के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए प्रोत्साहित किया गया। जिसका भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त विशेष सामान्य प्रेक्षकों ने अवलोकन करते हुए जिले में संपन्न हुए स्वीप गतिविधियों की सराहना की। मौके पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने स्वीप कार्यक्रम के तहत बनाये गये मिलेट्स केक काटकर एवं हस्ताक्षर अभियान में शामिल होकर मतदाताओं से मतदान दिवस पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

माईक्रो आब्जर्वर के रेंडमाईजेशन की प्रक्रिया संपन्न

श्योपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा श्योपुर जिले के लिए नियुक्त किये गये सामान्य प्रेक्षक श्योपुर विधानसभा क्षेत्र बाबू ए एवं सामान्य प्रेक्षक विजयपुर श्री पीसी किशन तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय कुमार की उपस्थिति में माईक्रो आब्जर्वर की नियुक्ति के लिए विधानसभा वार रेंडमाईजेशन की प्रक्रिया संपन्न की गई। इस अवसर पर डीआईओ श्री कपिल पाटीदार आदि उपस्थित थे। निर्वाचन आयोग के निर्देशो के अनुसार श्योपुर एवं विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के लोकेशन अनुसार मतदान केन्द्रों पर आब्जर्वर की नियुक्ति के क्रम में आज रेंडमाईजेशन के माध्यम से माईक्रो आब्जर्वर का मतदान केन्द्रवार आवंटन किया गया। इस रेंडमाईजेशन के माध्यम से माईक्रो आब्जर्वर की श्योपुर एवं विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में लोकेशन अनुसार मतदान केन्द्रों पर नियुक्ति की गई है।

मुख्यालय पर पहुंचे बल ने किया फ्लेग मार्च,आज होगी केन्द्रों के लिऐ रवानगी

श्योपुर ब्यूरो। जहां एक ओर विधान चुनाव सम्पन्न कराने के लिऐ जिले भर का निर्वाचन अमला पूरी तरह चाक-चौबंद दिखाई दे रहा है वहीं दूसरी ओर चुनावी माहौल में कानून-व्यवस्था की स्थिति बहाल बनाऐ रखने तथा मतदान प्रक्रिया निर्विघ्न निपटाने के लिऐ पुलिस प्रशासन ने भी अपनी कमर कस ली है। जिला मुख्यालय पर चुनाव में भागीदारी के लिऐ पहुंचे समुचित बल ने अपनी आमद दर्ज कराने के बाद नगर में फ्लेग मार्च करते हुऐ जहां अपनी मौजूदगी का आभास आम नागरिकों को कराया वहीं निर्बाध मतदान में अपनी भूमिका के प्रभावी निर्वहन का संकेत भी दिया। पुलिस अधीक्षक डॉ रायसिंह नरवरिया के मार्गदर्शन में समय समय पर जिला मुख्यालय सहित चिन्हित स्थानों पर आयोजित फ्लेग मार्च में जिला पुलिस सहित बाहर से आऐ विशेष बल के जवान शामिल हुऐ। श्योपुर तथा विजयपुर विधानसभा क्षेत्रों में कल 17 नवम्बर को होने वाले मतदान के दौरान पुलिस व सुरक्षा बलों के जवान पूरी मुस्तैदी के साथ मतदान केन्द्रों पर तैनात रहेंगे। कानून-व्यवस्था और निष्पक्ष मतदान के लिऐ जिले में जो बल लगाया गया है उसमें जिला पुलिस तथा रक्षित बल, नगर सेना सहित बाहर से आऐ बल की विशेष भूमिका रहेगी।

3000 जवान संभालेंगे सुरक्षा की कमान,08 केन्द्रीय कंपनियों सहित विभिन्न फोर्स आयाः श्योपुर जिले में मतदान शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न रूप से सम्पन्न कराने के लिए जिले के 656 मतदान केन्द्रों पर 3000 से अधिक पुलिस जवान सुरक्षा की कमान संभालेंगे। इसके लिए 08 बीएसएफ की कंपनियों सहित अन्य बल ने गत दिनों ही अपनी आमद दर्ज करा दी थी। सूत्रों ने बताया कि श्योपुर जिले में शांतिपूर्ण मतदान के लिए 656 केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जहां 05 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। पुलिस प्रशासन ने चुनाव कराने के लिए एक दर्जन से अधिक कंपनियों की मांग सरकार से की थी, लेकिन बल की कमी के चलते महज 08 ही कंपनी श्योपुर को मिल सकीं,जिसमें बीएसएफ,08 लगभग 900 जवान,होमगार्ड के 500 व 700 एसपीओ जिला बल 650,वन विभाग200, जिले के होमगार्ड 50 सहित कुल 3000 जवान जिले की चुनावी कमान में शामिल है। पुलिस प्रशासन की नजर उन मतदान केन्द्रों पर अधिक है,जो क्रिटीकल एवं हाईक्रिटिकल घोषित किए गए हैं। ऐसे मतदान केन्द्रों पर हथियारबंद जवानों को तैनात किया जाएगा।

कलेक्टर ने मतदान दलों के मतदान सामग्री वितरण एवं वापसी की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

पन्ना । विधानसभा निर्वाचन के दौरान मतदान दलों को मतदान सामग्री का वितरण एवं मतदान पश्चात मतदान दलों के मतदान सामग्री की वापसी का कार्य शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय पन्ना में किया जाएगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हरजिंदर सिंह ने आज विधानसभा निर्वाचन 2023 की सामग्री वितरण एवं जमा स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतदान सामग्री की पृथक-पृथक व्यवस्था करने, मतदान दलों को लेकर जाने वाले वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था करने, स्ट्रांग रूम से वितरण स्थल तक सामग्री पहुंचाने के लिए दलों के गठन इत्यादि के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही मतदान के एक दिन पूर्व एवं मतदान के पश्चात वापस आने वाले दलों को सामग्री वापसी में जमा करने के लिए किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो, इसकी पुख्ता व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान परिसर में स्थापित होने वाले काउंटर, विधानसभावार मतदानदलों के आने एवं जाने के मार्ग, पेयजल व्यवस्था, पर्याप्त लाइटिंग के इंतजाम, टेंट व बैठक व्यवस्था आदि सुनिश्चित करने के निर्देश भी उन्होंने अधिकारियों को दिए।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलाम्बर मिश्र सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।